हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मूक पत्रिका

RNI NO - CTHIN/25/A0716

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 03 अंक - 88 बेमेतरा, सोमवार 16 नवम्बर 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

पीएम मोदी ने झारखंड के स्थापना दिवस पर बधाई दी आदिवासी विरासत एवं विकास संभावनाओं की सराहना की

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को झारखंड के स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने झारखंड को समृद्ध जनजातीय विरासत, सांस्कृतिक विविधता, प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों और विकास की अपार संभावनाओं वाली भूमि बताया।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक संदेश में राज्यवासियों को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि यहां के लोगों के दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और प्रतिभा के बल पर झारखंड विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। उन्होंने कहा, झारखंड के स्थापना दिवस पर मेरे सभी भाइयों और बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं।

झारखंड की विशिष्ट पहचान का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि यहां के घने जंगल, सुंदर झरने और ऐतिहासिक स्थल राज्य की समृद्ध प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के साहस और बलिदान को भी याद किया। उन्होंने कहा कि उनकी विरासत आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करती है और राज्य की परंपराओं का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा,



भगवान बिरसा मुंडा जी की वीरता और बलिदान की गाथाएं इस धरती की परंपराओं को लगातार प्रेरित करती रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड में खनिज, ऊर्जा, हस्तशिल्प और पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य अपने प्राकृतिक संसाधनों और यहां के लोगों की क्षमताओं का उपयोग करके विकास की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर सकता है।

श्री मोदी ने कहा, मुझे विश्वास है कि यहां के मेरे मेहनती और प्रतिभाशाली परिवारजनों के दृढ़ संकल्प और क्षमताओं के बल पर यह राज्य विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा। उन्होंने राज्य के लोगों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

झारखंड राज्य का गठन 15 नवंबर 2000 को बिहार से अलग करके किया गया था। अलग राज्य की मांग को लेकर लंबे समय तक आंदोलन चला था। इस आंदोलन के पीछे लोगों की विशिष्ट सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आकांक्षाएं थीं। इसमें विशेष रूप से जनजातीय समुदायों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। झारखंड का स्थापना दिवस भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है, जिससे इस दिन का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व और बढ़ जाता है।

धरती आबा के नाम से लोकप्रिय बिरसा मुंडा 19वीं सदी के अंतिम वर्षों में ब्रिटिश शासन, जमीन से बेदखली और शोषण के खिलाफ जनजातीय प्रतिरोध के प्रमुख नेता के रूप में उभरे थे। उनके आंदोलन को 'उलगुलान' यानी महान विद्रोह के नाम से जाना जाता है। यह आंदोलन जनजातीय अधिकारों, स्वाभिमान और जमीन की रक्षा के संघर्ष का एक सशक्त प्रतीक बन गया। कोयला, लौह अयस्क, तांबा, यूरेनियम और अन्य खनिजों के विशाल भंडार से संपन्न झारखंड देश के खनन, ऊर्जा और औद्योगिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

33 जिलों के 1,606 केंद्रों में शुरू हुआ उपार्जन, अब तक 1.98 लाख क्विंटल धान की खरीदी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का आगाज हो गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जनजातीय गौरव दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में शामिल होने धरमजयगढ़ पहुंचे और खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल की उपस्थिति में धान खरीदी का शुभारंभ किया। राज्य सरकार ने इस वर्ष किसानों से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान की खरीदी 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से करने की व्यवस्था की है। किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि निर्धारित 21 क्विंटल प्रति एकड़ से कम धान बेचने वाले पात्र किसानों को भी कृषक उन्नति योजना के तहत प्रति एकड़ 13,839 रुपये की पूरी आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इस निर्णय से विशेष रूप से कम उत्पादन वाले जनजातीय एवं वनांचल क्षेत्रों के किसानों को बड़ी राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कई बार कम उत्पादन अथवा अन्य परिस्थितियों के कारण किसान निर्धारित 21 क्विंटल प्रति एकड़ के अनुपात में धान नहीं बेच पाते। ऐसी स्थिति में भी पात्र किसानों को उनके सत्यापित रकबे के आधार पर पूरी आदान सहायता राशि मिलेगी। उदाहरण के तौर पर यदि कोई पात्र किसान प्रति एकड़ 15 क्विंटल धान बेचता है, तो शेष 6 क्विंटल के बराबर की आदान सहायता राशि भी उसे प्रदान की जाएगी। इस प्रकार किसानों को प्रति एकड़ 13 हज़ार 839 रुपये की पूरी निर्धारित सहायता मिलेगी। राज्य सरकार किसानों की आर्थिक समृद्धि और उनकी मेहनत का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार द्वारा इस खरीफ



विपणन वर्ष में प्रदेश के लगभग 27 लाख 50 हजार किसानों से धान खरीदी के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रदेश के 33 जिलों में कुल 3,095 धान उपार्जन केंद्रों की व्यवस्था की गई है। 15 नवंबर 2026 की स्थिति में इनमें से 2,805 केंद्रों में टोकन जारी किए जा चुके हैं, जबकि 1,606 केंद्रों में धान खरीदी प्रारंभ हो गई है। इन केंद्रों के माध्यम से अब तक कुल 1,98,364.80 क्विंटल धान का उपार्जन किया जा चुका है। इसमें 1,10,979.20 क्विंटल मोटा धान, 80,489.60 क्विंटल पतला धान तथा 6,896 क्विंटल सरना धान शामिल है। जिलेवार आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में धान खरीदी की गतिविधियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। बालोद जिले में 161 उपार्जन केंद्रों में से सभी 161 केंद्रों में टोकन जारी किए जा चुके हैं तथा 123 केंद्रों में खरीदी प्रारंभ हो गई है। यहां अब तक सर्वाधिक 24,676 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है। राजनांदगांव जिले के 122 उपार्जन केंद्रों में सभी केंद्रों में टोकन जारी किए गए हैं तथा 115 केंद्रों में खरीदी शुरू हो चुकी है। यहां 26,464.40 क्विंटल धान का उपार्जन दर्ज किया गया है। महासमुंद जिले में 202 केंद्रों में से 201 में टोकन जारी हुए तथा 176 केंद्रों में खरीदी प्रारंभ हुई है। यहां 20,444.80 क्विंटल धान खरीदा गया है। धमतरी जिले में 108 केंद्रों में सभी में टोकन जारी हुए तथा 99 केंद्रों में खरीदी शुरू हो चुकी है। यहां 19,829.20 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है। इसी प्रकार बेमेतरा जिले में 157 उपार्जन केंद्रों में सभी केंद्रों में टोकन जारी हुए तथा 118 केंद्रों में खरीदी प्रारंभ हुई है।

धान तिहार का हुआ आगाज, उपार्जन केंद्रों में किसानों की चहल-पहल



रायपुर। छत्तीसगढ़ में किसानों के इंतजार की घड़ी खत्म हो गई है। प्रदेश में आज 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी यानी धान तिहार की शुरुआत हो गई है। सुबह से ही प्रदेशभर के धान उपार्जन केंद्रों में किसान अपनी उपज लेकर पहुंचने लगे हैं। रायपुर जिले में भी धान खरीदी का शुभारंभ हो गया है।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने जोरा स्थित धान उपार्जन केंद्र पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की और धान खरीदी की शुरुआत कराई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की घोषणा के अनुरूप शुरू हुई खरीदी को लेकर किसानों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा और खरीदी प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाए रखने के लिए प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए हैं।

जोरा केंद्र में पूजा-अर्चना के साथ शुरू हुई धान खरीदी

रायपुर जिले के जोरा धान उपार्जन केंद्र में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने पूजा-अर्चना कर धान खरीदी का शुभारंभ किया। इस दौरान खरीदी केंद्र में किसानों की सुविधा और व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया। 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने के साथ ही जिले के विभिन्न उपार्जन केंद्रों में किसानों का पहुंचना शुरू हो गया है। किसान अपनी उपज बेचने के लिए केंद्रों में पहुंच रहे हैं। **इलेक्ट्रॉनिक कांटे से हो रही धान की तौल:** धान खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए उपार्जन केंद्रों में इलेक्ट्रॉनिक कांटों से धान की तौल की जा रही है। इसके साथ ही खरीदी केंद्रों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी जा रही है।

राज्यपाल डेका ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर किया नमन



रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और जनजातीय अस्मिता के महानायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन किया है। लोक भवन में राज्यपाल ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। साथ ही उनकी जयंती के अवसर पर मनाए जाने वाले जनजातीय गौरव दिवस की प्रदेश एवं समस्त देशवासियों को विशेष रूप से सभी जनजातीय भाई-बहनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत आएंगे छत्तीसगढ़, कोयला प्रभावित ग्रामीणों से करेंगे मुलाकात



रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी और सांसद सुखदेव भगत 16 नवंबर से तीन दिवसीय प्रदेश दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे जशपुर, सरगुजा और बलरामपुर जिले में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। उनके दौरे का खास फोकस सरगुजा संभाग के कोयला खदान प्रभावित क्षेत्र रहेंगे। यहां वे प्रभावित ग्रामीणों और संबंधित पक्षों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनेंगे। इसके अलावा अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में बूथ स्तरीय जन चौपाल आयोजित कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करेंगे। सुखदेव भगत 16 नवंबर को झारखंड के लोहरदगा से सडक़ मार्ग के जरिए छत्तीसगढ़ पहुंचेंगे। शंख नदी के पास प्रदेश की सीमा पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से उनका स्वागत किया जाएगा। इसके बाद वे जशपुर, बालाछापर, पतराटोली, कांसाबेल और पत्थलगांव में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। पहले दिन उनका रात्रि विश्राम मैनपाट में प्रस्तावित है।

साल्ही में कोयला खदान प्रभावित ग्रामीणों से करेंगे मुलाकात

दौरे के दूसरे दिन 17 नवंबर को सुखदेव भगत मैनपाट से उदयपुर पहुंचेंगे। यहां बूथ स्तरीय जन चौपाल में शामिल होकर कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। इसके बाद वे ग्राम साल्ही पहुंचेंगे, जहां पीइकेबी, परसा, केते एक्सटेंशन और तारा कोल ब्लॉक से प्रभावित ग्रामीणों एवं संबंधित हितधारकों के साथ बैठक करेंगे।

हैदराबाद में विदेशी नेता ने राहुल के सामने लगाए वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे

- 'भारत में लोकतंत्र पर हमला हो रहा है, इसकी रक्षा जरूरी'

हैदराबाद। कांग्रेस की ओर से आयोजित भारत समिट 2026 में अंतरराष्ट्रीय राजनीति के बीच भारतीय सियासत को लेकर भी बयानबाजी देखने को मिली। इटली के नेता और यूरोपीय सोशलिस्ट पार्टी के महासचिव जियाकोमो फिलिबेक ने अपने संबोधन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की जमकर तारीफ की। उन्होंने भारत में लोकतंत्र पर हमला होने का दावा करते हुए राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के साथ खड़े होने की अपील की। अपने भाषण के दौरान उन्होंने 'वोट चोर, गद्दी छोड़' के नारे भी लगाए। उस समय मंच पर राहुल गांधी समेत कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। भारत समिट में संबोधित करते हुए जियाकोमो फिलिबेक ने कहा कि इस तरह के सम्मेलन और अंतरराष्ट्रीय बैठकें दुनिया का ध्यान महत्वपूर्ण चुनौतियों की ओर आकर्षित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने दावा किया कि भारत में लोकतंत्र पर हमला हो रहा है और इसकी रक्षा करने की जरूरत है। फिलिबेक ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा का सबसे अच्छा तरीका राहुल गांधी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ खड़े होना है। उन्होंने कांग्रेस और दुनिया के अन्य प्रगतिशील राजनीतिक संगठनों को एक साझा गठबंधन का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन सामाजिक न्याय, जलवायु न्याय, मानवाधिकार और वास्तविक लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास करता है। उनके संबोधन के दौरान राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं की मौजूदगी भी चर्चा का विषय रही।

राहुल गांधी की तारीफ करते हुए लगाए नारे : जियाकोमो फिलिबेक ने अपने भाषण में राहुल गांधी की राजनीतिक भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी ने लोकतंत्र के मूल सिद्धांत 'एक व्यक्ति, एक वोट' की बात उठाई है।

छत्तीसगढ़ में शुरू हुआ धान तिहार उपार्जन केंद्रों में उमड़े किसान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से धान तिहार की शुरुआत हो गई है. प्रदेश के तमाम उपार्जन केंद्रों में सुबह से ही धान बेचने के लिए किसानों का पहुंचना शुरू हो गया है। उपार्जन केंद्रों में इलेक्ट्रॉनिक कांटे से तौल किया जा रहा है। धान खरीदी की व्यवस्था सुचारू तौर पर चले इसके लिए सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जा रही है, साथ ही किसानों के लिए केंद्रों में तिरपाल, पीने के पानी और बैठने की सुविधा भी मुहैया कराई गई है।

किसान अपनी मेहनत की फसल लेकर केंद्रों पर पहुंच रहे हैं. कहीं उत्साह है, तो कहीं अनंब तूफान से हुई फसल क्षति को लेकर मायूसी भी है. बात करें धमतरी जिले में कुल 108 उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं, जहां जिले भर के 1 लाख 31 हजार पंजीकृत किसान अपना धान बेचने पहुंच रहे हैं। सुबह से ही सभी सोसायटियों में पूजा-अर्चना के बाद खरीदी की शुरुआत की गई. प्रशासन ने इस बार



व्यवस्था को बेहतर बनाने का पूरा दावा किया है। सुविधाएं देखकर खुश नजर आए किसानों ने कहा कि इस बार व्यवस्था पहले से बेहतर है, तौल भी सही हो रहा है। सरकार के बोनस से हम बहुत खुश हैं। लेकिन हर जगह तस्वीर एक जैसी नहीं है। लोहरसिंह सोसायटी में किसान मायूस नजर आए. वजह है फटा हुआ बारदाना. किसानों का आरोप है कि उन्हें जो बारदाना दिया जा रहा है, वह फटा हुआ है, मजबूरन किसान पैरा डालकर धान भर रहे हैं किसानों ने प्रशासन से बेहतर और नया बारदाना देने की गुहार लगाई है। इसके साथ ही अनंब तूफान से हुई फसल क्षति ने भी किसानों की चिंता बढ़ा दी है। कई किसानों की फसल बारिश में भीग गई, जिससे उन्हें नुकसान हुआ है. हालांकि, नुकसान के बाद भी किसानों के चेहरे पर सरकार के बोनस को लेकर खुशी साफदेखी जा सकती है यात करें बालोद जिले की तो जिले के 161 उपार्जन केंद्रों में से 130 उपार्जन केंद्रों में आज से धान खरीदी की शुरुआत हुई। इन उपार्जन केंद्रों में धान बेचने के लिए 848 किसानों ने 30 हजार 774 क्विंटल 60 किलो धान बेचने के लिए टोकन कटवाया है। केंद्रों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।

एमएसपी पर अवैध धान बेचने की साजिश नाकाम, प्रशासन ने 240 बोरी किया जब्त



गौरेला पेण्ड्रा मरवाही। जिला प्रशासन ने धान के अवैध भंडारण और परिवहन के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है है. इसी कड़ी में राजस्व, खाद्य और मंडी विभाग की संयुक्त टीम ने तहसील पेण्ड्रारोड के ग्राम बरवासन में दो अलग-अलग ठिकानों पर छापा मारा. कार्रवाई में कुल 240 बोरी अवैध धान जब्त किया है। संयुक्त जांच दल को मिली सूचना के आधार पर ग्राम बरवासन में यह कार्रवाई की गई. जांच के दौरान ?राजेंद्र गुज्जर के बाड़े में ट्रैक्टर पर लदी 35 बोरी और खुले में रखी 100 बोरी, इस प्रकार कुल 135 बोरी धान बरामद हुआ।

चैतन्य बघेल से जुड़े विट्ठल ग्रीन कॉलोनी में ईडी ने 355 प्लॉटों पर लिया कब्जा

- 61 करोड़ की संपत्ति पर कार्रवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कथित 3 हजार करोड़ रुपये के शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई की है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल से जुड़ी दुर्ग जिले के कुम्हारी-जंजगीरी स्थित विट्ठल ग्रीन कॉलोनी के 355 प्लॉटों पर कब्जा कर लिया है। शनिवार को की गई इस कार्रवाई के बाद कॉलोनी के मुख्य गेट पर ईडी ने नोटिस भी चस्पा कर दिया। जांच एजेंसी की कार्रवाई करीब 61.20 करोड़ रुपये की संपत्तियों की कुर्की से संबंधित है। इस मामले में पीएमएलए के निर्णायक प्राधिकरण से कुर्की की पुष्टि होने के बाद ईडी ने संपत्तियों का कब्जा लेने की प्रक्रिया पूरी की। कार्रवाई के बाद इलाके में इस मामले को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

विट्ठल ग्रीन कॉलोनी के 355 प्लॉट ईडी के कब्जे में : ईडी की टीम शनिवार को कुम्हारी-जंजगीरी स्थित विट्ठल ग्रीन रियल एस्टेट प्रोजेक्ट पहुंची। यहां अधिकारियों ने संपत्ति पर कब्जे की प्रक्रिया पूरी करते हुए कॉलोनी के मुख्य प्रवेश द्वार पर नोटिस चस्पा किया। जानकारी के मुताबिक, विट्ठल ग्रीन कॉलोनी में कुल 385 प्लॉट हैं। इनमें से 30 प्लॉट पहले

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला

ही बेचे जा चुके हैं। ऐसे में इन 30 प्लॉटों को कार्रवाई से अलग रखते हुए शेष 355 प्लॉटों पर ईडी ने कब्जा लिया है। जब्त संपत्तियों में एक व्यावसायिक प्लॉट भी शामिल है। यह रियल एस्टेट प्रोजेक्ट चैतन्य बघेल से जुड़ा बताया गया है। ईडी के अनुसार, इस प्रोजेक्ट के विकास में कथित शराब घोटाले से अर्जित अवैध रकम का इस्तेमाल किया गया था।

3 हजार करोड़ के कथित शराब घोटाले से जुड़ा है मामला : छत्तीसगढ़ में सामने आए कथित शराब घोटाले की जांच ईडी द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से की जा रही है। जांच एजेंसी के अनुसार, वर्ष 2019 से 2023 के बीच शराब सिंडिकेट के माध्यम से हजारों करोड़ रुपये की कथित अवैध कमाई की गई। ईडी का आरोप है कि इस सिंडिकेट में चैतन्य बघेल की महत्वपूर्ण भूमिका थी। जांच एजेंसी के मुताबिक, वह सिंडिकेट के शीर्ष स्तर पर सक्रिय थे और अवैध रकम के संग्रह, लेन-देन तथा वितरण का हिसाब रखते थे। एजेंसी का दावा है कि कथित अपराध से अर्जित रकम को रियल एस्टेट कारोबार में निवेश कर वैध संपत्ति के रूप में प्रदर्शित करने की कोशिश की गई। इसी जांच के तहत विट्ठल ग्रीन प्रोजेक्ट को भी कार्रवाई के दायरे में लिया गया है। इस मामले में ईडी ने चैतन्य बघेल से जुड़ी संपत्तियों पर पहले भी कार्रवाई की थी। जांच एजेंसी ने 10 नवंबर 2025 को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत करीब 61.20 करोड़ रुपये की संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क करने का आदेश जारी किया था।

इसके बाद 8 दिसंबर 2025 को पीएमएलए के निर्णायक प्राधिकरण के समक्ष शिकायत दर्ज कराई गई। मामले में 19 मार्च 2026 को सुनवाई हुई।

31 केंद्रों पर धान खरीदी शुरू, 20 हजार से अधिक किसानों को मिलेगा समर्थन मूल्य का लाभ

मांझीगुड़ा में कलेक्टर ने किया खरीदी का शुभारंभ, कुटरू,तिम्मापुर में नया केंद्र खुलने से 456 किसानों को मिली राहत



मूक पत्रिका

बीजापुर/आशीष पदमवार। धान की फसल तैयार होने के बाद अब किसानों को उपज बेचने के लिए खरीदी केंद्रों का रुख करना शुरू हो गया है। जिले में रविवार से खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू हो गई। मांझीगुड़ा उपार्जन केंद्र में कलेक्टर विश्वदीप ने खरीदी का शुभारंभ किया। वहीं कुटरू, रुद्रारम और भोपालपटनम केंद्रों में भी जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में खरीदी शुरू हुई। इस वर्ष जिले के 31 उपार्जन केंद्रों में 20 हजार 598 पंजीकृत किसानों से धान खरीदा जाएगा। दूरस्थ अंचल के किसानों के लिए तिम्मापुर में नया केंद्र शुरू करना इस बार की प्रमुख व्यवस्था है। इससे पांच गांवों के 456 किसानों को लंबी दूरी तय करने से राहत मिलेगी। मांझीगुड़ा केंद्र में पहले दिन किसान हरीष मांझी ऑनलाइन टोकन लेकर धान बेचने पहुंचे। कलेक्टर विश्वदीप ने उनसे बातचीत कर टोकन प्राप्त करने और धान विक्रय की प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर अधिकारियों को किसानों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। बारदाना, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, पेयजल, छायादार बैठक व्यवस्था, बिजली और साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही धान की तौल और गुणवत्ता परीक्षण निर्धारित मापदंडों के अनुसार करने तथा खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए।

ऑनलाइन टोकन से व्यवस्थित होगी खरीदी-इस बार धान खरीदी में ऑनलाइन टोकन व्यवस्था को प्राथमिकता दी गई है। इसके माध्यम से किसान निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार टोकन लेकर अपनी उपज बेचने केंद्र पहुंच सकेंगे। इससे खरीदी केंद्रों में अनावश्यक भीड़ और इंतजार कम करने की उम्मीद है। कलेक्टर ने अधिकारियों को किसानों को टोकन प्रक्रिया की जानकारी देने और तकनीकी दिक्कत आने पर तत्काल सहयोग उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पात्र किसानों को धान बेचने में किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। खरीदी में लापरवाही या अनियमितता मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

तिम्मापुर केंद्र से पांच गांवों को राहत-जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में धान खरीदी की सुविधा पहुंचाने के उद्देश्य से तिम्मापुर में नवीन उपार्जन केंद्र शुरू किया गया है। इससे पोलमपल्ली, चिलकापल्ली, तिम्मापुर, पुतकेल और पुसकोंटा के करीब 456 किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। पहले इन गांवों के किसानों को धान बेचने के लिए 25 से 30 किलोमीटर दूर बासागुड़ा जाना पड़ता था। लंबी दूरी के कारण परिवहन खर्च और समय दोनों बढ़ते थे। अब नजदीक में केंद्र खुलने से किसानों को धान परिवहन में राहत मिलेगी। छोटे और सीमांत किसानों के लिए यह व्यवस्था खास तौर पर उपयोगी साबित हो सकती है।

कम उत्पादन के बीच कृषक उन्नति योजना का सहारा-कुटरू उपार्जन केंद्र में धान खरीदी के शुभारंभ के दौरान किसान वेंकटेश मार्गोनी ने कृषक उन्नति योजना को किसानों के लिए आर्थिक सहारा बताया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण उनके खेत में धान का उत्पादन उम्मीद के मुताबिक नहीं हुआ। ऐसे में योजना के तहत मिलने वाली अतिरिक्त आर्थिक सहायता परिवार की जरूरतों और आगामी खेती की तैयारी में मददगार होगी। उन्होंने कहा कि खेती मौसम पर निर्भर रहती है और हर साल उत्पादन एक जैसा नहीं होता। ऐसे समय में किसान हितैषी योजनाएं आर्थिक कठिनाइयों को कम करने में मदद करती हैं।

रुद्रारम और भोपालपटनम में भी शुरू हुई खरीदी-भोपालपटनम विकासखंड के रुद्रारम और भोपालपटनम उपार्जन केंद्रों में जिला पंचायत उपाध्यक्ष पेरे पुलैया, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष नीलम गणपत, समिति अध्यक्षों और अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में धान खरीदी शुरू की गई। इस दौरान किसानों को समर्थन मूल्य पर खरीदी और कृषक उन्नति योजना के प्रावधानों की जानकारी दी गई। जनप्रतिनिधियों ने किसानों को शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया। जिले में खरीदी शुरू होने के साथ अब प्रशासन के सामने सभी 31 केंद्रों पर व्यवस्था सुचारू बनाए रखने की जिम्मेदारी है। खासकर दूरस्थ क्षेत्रों में बारदाना, तौल, टोकन और परिवहन से जुड़ी सुविधाओं की उपलब्धता खरीदी की गति तय करेगी। किसानों को समय पर सुविधा और उपज का उचित मूल्य मिलना ही इस व्यवस्था की असली कसौटी होगी।

मुकुंद टॉकीज के पास चाकू लहराकर लोगों को डराने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

मूक पत्रिका

जांजगीर-चांपा। चांपा मुकुंद टॉकीज के मोटरसाइकिल स्टैंड के पास धारदार चाकू लहराकर आने-जाने वाले लोगों को डराने के मामले में चांपा पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के कब्जे से बड़े धारदार चाकू जब्त किए गए हैं।पुलिस के अनुसार 14 नवंबर को मुकुंद टॉकीज के संचालक ने फोन पर सूचना दी थी कि दो युवक चाकू लेकर लोगों को भयभीत कर रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार शेंडे के निर्देश पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को हिरासत में लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम उमेश यादव (25 वर्ष), निवासी खरहरकुड़ा, थाना उरगा, जिला कोरबा तथा करन गोस्वामी (24 वर्ष), निवासी नवलपुर, थाना उरगा, जिला कोरबा बताया। तलाशी के दौरान दोनों के पास से चाकू बरामद किए गए।

चांपा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 व 27 के तहत अपराध दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया। शनिवार को दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड के लिए न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्रवाई में चांपा थाना पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

पचेड़ा में 36.18 लाख रुपये के विकास कार्यों की सौगात, विधायक ब्यास कश्यप ने किया भूमिपूजन एवं लोकार्पण

मूक पत्रिका

जांजगीर-चांपा। विधायक ब्यास कश्यप ने नवागढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत पचेड़ा में विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन एवं लोकार्पण कर ग्रामीणों को विकास कार्यों की सौगात दी। इन कार्यों के लिए कुल 36 लाख 18 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इन निर्माण कार्यों से गांव में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होने के साथ ही ग्रामीणों को आवागमन, जल निकासी एवं सामाजिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।विधायक ब्यास कश्यप के कर-कमलों से जिन कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया, उनमें 7 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण, 10 लाख रुपये की लागत से आरसीसी नाली निर्माण, 10 लाख रुपये की लागत से महाराणा प्रताप भवन निर्माण, 5 लाख 68 हजार रुपये की लागत से मुक्तिधाम सह प्रतीक्षालय निर्माण तथा 3 लाख 50 हजार रुपये की लागत से शासकीय विद्यालय में बालिका शौचालय निर्माण कार्य शामिल हैं। इस अवसर पर विधायक ब्यास कश्यप ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विकास उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। सड़क, नाली, सामाजिक भवन, मुक्तिधाम एवं विद्यालयों में आवश्यक सुविधाओं का निर्माण गांव के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता की आवश्यकताओं और ग्रामीणों की मांग के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।कार्यक्रम में ग्राम पंचायत की सरपंच बिंद्रा कश्यप, उपसरपंच अभिषेक सिंह, पंचायत सचिव भूपेंद्र सिंह सहित ग्रामीणजन राकेश सिंह, अशोक कश्यप, दुर्योधन बरेठ, सतीस सिंह, शत्रुहन कश्यप, लखन कश्यप, भजन सूर्यवंशी, छोटू गडवाल, रवि कश्यप, रामकुमार कश्यप, बसंत कश्यप, प्रीतम कश्यप, कमलेश कश्यप एवं दीपक कश्यप उपस्थित रहे।इसके अलावा पंच उमा कश्यप, गायत्री कश्यप, लखन कश्यप, अमला कश्यप, रामबाई बरेठ, शैलेन्द्र कश्यप, जनकदुलारी कश्यप, करन ताम्रकार सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।



नवीन धान उपार्जन केंद्र की देंगे सौगात, टेंगनाबासा में सहस्त्रबाहु जयंती में होंगे शामिल

राजिम :(प्रेरणाश्रोत)। क्षेत्र के विधायक रोहित साहू कल अपने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विधायक श्री साहू सर्वप्रथम सुबह साढ़े 10 बजे ग्राम अतरमरा पहुंचेंगे, जहाँ वे नवीन धान उपार्जन केंद्र का विधिवत पूजा-अर्चना कर शुभारंभ करेंगे। इस नए उपार्जन केंद्र के खुलने से अतरमरा सहित आसपास के ग्रामीण अंचल के किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिलेगी। तत्पश्चात विधायक रोहित साहू 12 बजे छुरा क्षेत्र के ग्राम टेंगनाबासा के लिए प्रस्थान करेंगे। यहाँ वे कलार सिन्हा समाज द्वारा आयोजित भगवान सहस्त्रबाहु जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

जनजातीय गौरव दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे वर्चुअल संबोधन, बेमेतरा टाउन हॉल में होगा जिला स्तरीय आयोजन

भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और योगदान को किया जाएगा याद

मूक पत्रिका

बेमेतरा – भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर आज 15 नवंबर को देशभर में जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम से वर्चुअल माध्यम से जुड़कर देशवासियों को संबोधित करेंगे।

भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा जनजातीय गौरव दिवस के छठवें आयोजन के अंतर्गत 1 नवंबर से 15 नवंबर तक देशभर



में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और राष्ट्र निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान को सम्मान देना है। इस पखवाड़े का समापन 15 नवंबर को गढ़चिरौली में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम के साथ होगा।इसी कड़ी में बेमेतरा जिले में भी जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन टाउन हॉल बेमेतरा में किया जाएगा। कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं आम नागरिक वर्चुअल माध्यम से राष्ट्रीय कार्यक्रम से जुड़कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन सुनेंगे।

जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम की तैयारियां की गई हैं तथा जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों एवं आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई है।जनजातीय गौरव दिवस भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, बलिदान और देश की स्वतंत्रता में जनजातीय नायकों के अतुलनीय योगदान को स्मरण करने का महत्वपूर्ण अवसर है। यह दिवस जनजातीय समाज की अस्मिता, स्वाभिमान, संस्कृति और विरासत के संरक्षण के प्रति सामूहिक संकल्प को भी मजबूत करता है।

सेवा सहकारी समिति मर्यादित अछोली में धान खरीदी का विधिवत शुभारंभ, किसानों में दिखा उत्साह

मूक पत्रिका



बेमेतरा – छत्तीसगढ़ शासन की समर्थन मूल्य पर धान खरीदी योजना के अंतर्गत15 नवंबर 2026 को वृहताकार सेवा सहकारी समिति मर्यादित अछोली में धान खरीदी कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं समिति पदाधिकारियों ने पूजा-अर्चना कर खरीदी प्रक्रिया का शुभारंभ किया। साथ ही अन्नदाता किसानों का स्वागत करते हुए धान खरीदी कार्य सुचारु रूप से प्रारंभ कराया।कार्यक्रम में प्राधिकृत अध्यक्ष सनत कुमार सेन, अध्यक्ष प्रतिनिधि लोमेश कुमार सेन, जनपद सदस्य प्रतिनिधि खेलन साहू, सरपंच श्रवण गँड्रे, भाजपा बूथ अध्यक्ष सत्यनारायण साहू, कोटवार संघ तहसील अध्यक्ष मोहन सिंह चौहान, सुनील साहू, रोशन निषाद, ललित साहू, सहायक समिति प्रबंधक मनहरण साहू एवं झड़ीराम यादव सहित समिति के समस्त कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में कृषकगण उपस्थित रहे।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार किसानों की मेहनत और उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हित में लगातार महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं। धान खरीदी व्यवस्था को सुगम एवं पारदर्शी बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।उन्होंने समिति प्रबंधन एवं कर्मचारियों से किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उचित तौल, पारदर्शिता और व्यवस्थित खरीदी सुनिश्चित करने की अपील की। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने किसानों को धान खरीदी की शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

पूजा अर्चना कर धान खरीदी का हुआ शुभारंभ, कलेक्टर ने किसानों को शाल ओढ़ाकर किया आत्मीय स्वागत

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने किया धान खरीदी का शुभारंभ, मोहतरा और बिलई केंद्र में पहुंचकर किसानों से की चर्चा

मूक पत्रिका

बेमेतरा – जिले में धान खरीदी महापर्व का बीते रविवार को से विधिवत शुभारंभ हुआ। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने धान उपार्जन केंद्र मोहतरा एवं बिलई पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर धान खरीदी का शुभारंभ किया।शुभारंभ के अवसर पर कलेक्टर ने स्वयं किसानों को शाल ओढ़ाकर आत्मीय स्वागत की। साथ ही प्रबंधकों से धान खरीदी, तौल और भुगतान की व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने केंद्र में उपस्थित किसानों से सीधे संवाद किया और कहा कि जिले के किसी भी किसान को धान बेचने में कोई असुविधा नहीं होगी।

आज से जिले के सभी केंद्रों में खरीदी शुरू,किसानों में दिखा उत्साह-कलेक्टर के निर्देश पर जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में एक साथ धान खरीदी शुरू हो गई। सभी केंद्रों में नोडल अधिकारियों ने पहुंचकर खरीदी का शुभारंभ कराया। किसानों में इस बार खरीदी को लेकर खासा उत्साह देखा गया। सुबह से ही किसान अपनी धान लेकर केंद्रों में पहुंचने लगे थे।





पारदर्शिता और सुचारू व्यवस्था पर जोर-कलेक्टर सुश्री ममगाई ने केंद्र प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि धान खरीदी में पूरी पारदर्शिता रखी जाए। तौल में गड़बड़ी, किसानों से दुर्व्यवहार या अनावश्यक विलंब बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों को टोकन, तौल और भुगतान की पूरी जानकारी समय पर दी जाए। धान खरीदी केंद्र में पीने का पानी, छाया, बैठने की व्यवस्था, शौचालय की सुविधा अनिवार्य रूप से हो। बारदाने, हमाल, तौल कांटा की पर्याप्त व्यवस्था रहे। कलेक्टर ने कहा कि धान की नमी जांच और गुणवत्ता परीक्षण किसानों के सामने किया जाए। किसानों को भुगतान में किसी भी प्रकार की देरी न हो, इसका विशेष ध्यान रखने निर्देशित की। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि केंद्रों में रोजाना साफ-सफाई, रिकार्ड संधारण और सीसीटीवी की व्यवस्था दुरुस्त रखी जाए।

किसानों को दिया भरोसा-मोहतरा और बिलई में किसानों से बातचीत के दौरान कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशा है कि किसानों को उनकी मेहनत का पूरा दाम, सही समय पर और सम्मान के साथ मिले। धान खरीदी केंद्र किसानों की सेवा के लिए हैं, इसलिए हर किसान को सहयोग करना अधिकारियों की पहली जिम्मेदारी है। कलेक्टर ने किसानों से अपील की कि वे अपने टोकन के अनुसार ही धान लेकर आएं, ताकि भीड़ और अव्यवस्था न हो, और धान खरीदी सुविधाजनक रूप से हो सके।

अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश-कलेक्टर ने नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने केंद्रों का नियमित निरीक्षण करें, किसानों की शिकायतों का तुरंत निराकरण करें और हर दिन की खरीदी की रिपोर्ट जिला प्रशासन को भेजें।

इस अवसर पर संबंधित एसडीएम, तहसीलदार, खाद्य अधिकारी, सहकारी समिति के प्रबंधक, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। धान खरीदी के शुभारंभ से जिले के किसानों में खुशी की लहर है। किसानों ने जिला प्रशासन की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि इस बार खरीदी सुचारू और पारदर्शी तरीके से होगी, इसका उन्हें पूरा भरोसा है।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर मनाया गया जनजातीय गौरव दिवस, जनप्रतिनिधियों ने किया नमन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन का हुआ सीधा प्रसारण, जनजातीय समाज के गौरव, स्वाभिमान और संस्कृति को किया गया याद



सूरजपुर। महान स्वतंत्रता सेनानी एवं जननायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को सूरजपुर जिले में जनजातीय गौरव दिवस श्रद्धा, उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा स्कूली एवं महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में देशवासियों को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस जनजातीय समाज के गौरव, स्वाभिमान, संघर्ष और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देने का महत्वपूर्ण अवसर है। वर्ष 2021 से प्रारंभ हुआ यह आयोजन आज पूरे देश का उत्सव बन चुका है। यह दिवस जनजातीय नायकों के बलिदान और उनके ऐतिहासिक योगदान को याद करने के साथ नई पीढ़ी को उनसे प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा राजलाल रजवाड़े ने की। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भगवान बिरसा मुंडा के अदम्य साहस, संघर्ष, त्याग और देश की आजादी में उनके अतुलनीय योगदान को याद करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। वक्ताओं ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जनजातीय समाज के अधिकारों, स्वाभिमान और जल, जंगल एवं जमीन की रक्षा के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया। उनका जीवन अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने और मातृभूमि के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री लवकेश पैकरा, श्री अनुज राजवाड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधि, आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त श्री घनश्याम सिंह, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना और भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

सड़क पर अचानक सामने आया दंतैल हाथी, बाइक छोड़कर भागे ग्रामीण; हाथी ने वाहन को पटककर किया क्षतिग्रस्त

चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में दो अलग-अलग घटनाओं में बाल-बाल बची तीन ग्रामीणों की जान, दो माह से टाइगर रिजर्व के जंगलों में विचरण कर रहे हाथी; सरकारी वाहन खराब होने से गश्त प्रभावित



सूरजपुर। जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में जंगली हाथियों की मौजूदगी से ग्रामीणों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। जंगल से निकलकर मुख्य सड़क पर पहुंच रहे हाथियों के कारण राहगीरों की जान पर खतरा मंडरा रहा है। रविवार सुबह अलग-अलग स्थानों पर दंतैल हाथी से आमना-सामना होने पर तीन ग्रामीण बाल-बाल बच गए। हाथी ने एक बाइक को सूंड से पटककर क्षतिग्रस्त कर दिया, जबकि दूसरी घटना में बाइक छोड़कर भागने के दौरान ग्रामीण का मोबाइल फोन टूट गया।पहली घटना रविवार सुबह करीब 8:30 बजे तिरसूल पथल के पास हुई। जानकारी के अनुसार पिंटू सिंह और धर्मचंद रसौकी से बाइक पर सवार होकर बिहारपुर की ओर आ रहे थे। इसी दौरान अचानक एक दंतैल हाथी मुख्य सड़क पर दिखाई दिया। हाथी को सामने देखकर दोनों घबरा गए और बाइक छोड़कर जान बचाने के लिए भागने लगे। इस दौरान उनका मोबाइल फोन गिरकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।दूसरी घटना सुबह करीब 9 बजे बरगा नदी किनारे रामघाट के पास हुई। रसौकी निवासी हिमत गिरी पिता कृष्णा गिरी बाइक से बिहारपुर होते हुए बैढ़न की ओर जा रहे थे। तभी सड़क पर अचानक दंतैल हाथी से उनका सामना हो गया। हाथी को अपनी ओर आता देख उन्होंने बाइक छोड़ दी और पहाड़ी की ओर भागकर किसी तरह जान बचाई।

इसके बाद हाथी ने बाइक को सूंड से उठाकर पटक दिया, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। दो माह से टाइगर रिजर्व के जंगलों में हाथियों का विचरण-गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान एवं तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व के घने जंगलों में पिछले करीब दो माह से जंगली हाथियों का लगातार विचरण हो रहा है।

सेवा सहकारी समिति हसदा में धान खरीदी का हुआ शुभारंभ, किसानों का किया गया आत्मीय स्वागत

पूजा-अर्चना के साथ शुरू हुई खरीदी प्रक्रिया, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में किसानों की रही उपस्थिति

मूक पत्रिका



हसदा - खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत सेवा सहकारी समिति मर्यादित हसदा में धान खरीदी का शुभारंभ उत्साह और पारंपरिक विधि-विधान के साथ किया गया। इस अवसर पर समिति परिसर में विशेष आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, समिति पदाधिकारियों एवं किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम भगवान बलराम एवं छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके पश्चात धान खरीदी में उपयोग होने वाले तराजू एवं बाट का विधिवत पूजन किया गया। खरीदी प्रक्रिया प्रारंभ होने पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं समिति पदाधिकारियों ने किसान भाइयों का आत्मीय स्वागत किया।इस अवसर पर समिति के प्राधिकृत अध्यक्ष प्रकाश वर्मा, भाजपा प्रदेश मंत्री संध्या परगनिहा, जनपद सदस्य बेरला रेखा पोषण सिन्हा, हसदा सरपंच शेखर परगनिहा, नेवनारा सरपंच लोकेश साहू, समिति प्रबंधक देवलाल सिन्हा सहित सेवाराम साहू, परस धीवर, उत्तरा साहू, बबली साहू, रामाधार साहू एवं शालिक राम साहू सहित बड़ी संख्या में किसान भाई उपस्थित रहे।धान खरीदी प्रारंभ होने से क्षेत्र के किसानों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। किसानों ने उम्मीद जताई कि खरीदी केंद्र में उन्हें सुगम, पारदर्शी एवं व्यवस्थित तरीके से धान विक्रय की सुविधा मिलेगी।

आतिशबाजी के बीच ब्लॉक स्तरीय बस्तर ओलंपिक का समापन, विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

जीतने वालों को पुरस्कार, बाकी खिलाड़ियों का भी बढ़ाया हौसला

मूक पत्रिका



बीजापुर/आशीष पदमवार। खेल मैदान में खिलाड़ियों का जोश और आसमान में रंग-बिरंगी आतिशबाजी। उत्साह और उल्लास के बीच ब्लॉक स्तरीय बस्तर ओलंपिक का समापन हुआ। समारोह में अलग-अलग खेल प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। आयोजन में ग्रामीण और अंदरूनी क्षेत्रों के खिलाड़ियों की भागीदारी ने खेल प्रतिभाओं को आगे लाने की पहल को नई मजबूती दी। समापन समारोह में जिला पंचायत सदस्य मैथियस कुजूर, नगरपालिका उपाध्यक्ष भुवन सिंह चौहान, पार्षद हरिहर साहनी, विक्रम दुधी, नंदकिशोर राना और एसडीएम राकेश साहू सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और खेलप्रेमी मौजूद रहे।समारोह में विजेता खिलाड़ियों को अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान किए। खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें नियमित अभ्यास और मेहनत के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान कहा गया कि खेलों में केवल जीत ही नहीं, बल्कि अनुशासन, सहभागिता और खेल भावना भी महत्वपूर्ण है।

अंदरूनी गांवों की प्रतिभाओं को मिल रहा मौका

बस्तर ओलंपिक के जरिए जिले के ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों में छिपी खेल प्रतिभाओं को सामने आने का अवसर मिल रहा है। ऐसे कई युवा हैं, जिन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए पहले पर्याप्त मंच नहीं मिल पाता था। ब्लॉक स्तर की प्रतियोगिताएं उन्हें आगे की स्पर्धाओं के लिए तैयार करने में मददगार बन रही हैं। खेल गतिविधियों से युवाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित होने के साथ उन्हें सकारात्मक दिशा भी मिल रही है। अलग-अलग क्षेत्रों के खिलाड़ियों के बीच मेलजोल बढ़ने से आपसी भाईचारे को भी मजबूती मिल रही है।समापन समारोह में आकर्षक आतिशबाजी मुख्य आकर्षण रही। आसमान में रंगीन रोशनी के बीच खिलाड़ियों और दर्शकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। पुरस्कार पाने वाले खिलाड़ियों के चेहरों पर खुशी नजर आई। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें खेलों में लगातार आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रतापपुर के पक्की तालाब में उमड़ा आस्था का महासंगम, भव्य सजावट ने मोहा मन



प्रतापपुर। लोक आस्था और सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा प्रतापपुर नगर के स्थानीय पक्की तालाब में श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। छठ महापर्व को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल है। पक्की तालाब परिसर में की गई भव्य सजावट और आकर्षक विद्युत रोशनी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। रंग-बिरंगी लाइटों से जगमगाता तालाब परिसर रात के समय बेहद मनमोहक नजर आ रहा है। घाट का नजारा किसी स्वर्ग से कम नहीं दिखाई दे रहा है। इस अवसर पर प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते सहित सैकड़ों महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने पूरी आस्था के साथ निर्जला व्रत रखकर छठी मैया की आराधना की। पारंपरिक वेशभूषा में सजी व्रती महिलाएं फल, फूल, नारियल, गन्ना और पूजन सामग्री से सजे दउरा-सूप के साथ घाट पर पहुंचीं। विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बीच छठी मैया के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। छठ पूजा के मद्देनजर पक्की तालाब में साफ-सफाई, घाटों की व्यवस्था और विद्युत सजावट पर विशेष ध्यान दिया गया है। शाम होते ही श्रद्धालुओं की भीड़ घाट पर उमड़ने लगी। गाजे-बाजे और पारंपरिक छठ गीतों की मधुर धुन ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। परिवार के साथ पहुंचे श्रद्धालु भी इस भव्य आयोजन का हिस्सा बने। छठ महापर्व चार दिनों तक चलने वाला कठिन धार्मिक अनुष्ठान है। नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य के माध्यम से श्रद्धालु भगवान सूर्य और छठी मैया की उपासना करते हैं। व्रती परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना करते हैं। इस पर्व में निर्जला व्रत रखकर डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देने की विशेष परंपरा है। प्रतापपुर के पक्की तालाब में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं की खूबसूरत तस्वीर पेश कर रहा है। विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं की सहभागिता ने आयोजन की भव्यता को और बढ़ा दिया। भव्य सजावट, रोशनी और भक्तिमय माहौल के बीच पूरा प्रतापपुर छठमय नजर आ रहा है।

सूरजपुर में धान खरीदी शुरू, पहले दिन 24 केंद्रों में हुई खरीदारी

जिले के 60 उपार्जन केंद्रों में होगी खरीदी, किसानों को घर बैठे ऑनलाइन टोकन की सुविधा



सूरजपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत सूरजपुर जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का शुभारंभ 15 नवंबर से हो गया है। खरीदी के पहले दिन जिले के 60 उपार्जन केंद्रों में से 24 केंद्रों पर किसानों से धान की खरीदी शुरू की गई। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न खरीदी केंद्रों में पहुंचकर धान खरीदी का विधिवत शुभारंभ किया। इस वर्ष जिले में कुल 60 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से किसानों की उपज खरीदी जाएगी। किसानों को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से शासन ने इस बार 6 नए धान खरीदी केंद्र भी बनाए हैं।कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशानुसार सभी उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि धान विक्रय के दौरान उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो।

घर बैठे बुक कर सकेंगे धान विक्रय का टोकन-धान खरीदी प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए राज्य शासन ने इस वर्ष 'तुंहर टोकन' मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन टोकन की सुविधा उपलब्ध कराई है। इसके जरिए पंजीकृत किसान घर बैठे 24 घंटे अपनी सुविधानुसार धान विक्रय की तारीख का चयन कर टोकन बुक कर सकते हैं। इससे किसानों को टोकन के लिए समितियों के चक्कर लगाने और लंबी कतारों में खड़े होने से राहत मिलेगी।

छोटे और सीमांत किसानों को प्राथमिकता-टोकन आवंटन के लिए केंद्रों की दैनिक खरीदी क्षमता का 70 प्रतिशत ऑनलाइन मोबाइल ऐप तथा 30 प्रतिशत टोकन सहकारी समितियों के माध्यम से ऑफलाइन जारी किए जा रहे हैं। ऑनलाइन टोकन में 80 प्रतिशत हिस्सा छोटे एवं सीमांत किसानों तथा 20 प्रतिशत बड़े किसानों के लिए आरक्षित है। नियमों के अनुसार 2 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को अधिकतम एक, 2 से 10 एकड़ तक दो तथा 10 एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों को अधिकतम तीन टोकन जारी किए जा सकेंगे। निर्धारित खरीदी सीमा के तहत पात्र किसानों से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान खरीदा जाएगा।

मोबाइल नंबर और आधार अपडेट रखने की अपील-खाद्य विभाग ने पंजीकृत किसानों से मोबाइल नंबर और आधार संबंधी जानकारी अद्यतन रखने की अपील की है। किसानों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर ऐप के माध्यम से टोकन बुक करने का आग्रह किया गया है। ऑनलाइन टोकन बुकिंग या तकनीकी समस्या होने पर किसान टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-233-3663 पर संपर्क कर सकते हैं।

श्रीरामचरितमानस और संविधान - लोकतंत्र की आत्मा - डॉ मुन्नालाल देवदास

भरत की और भारत की राजनीति : रामपद या राजपद?

मूक पत्रिका



गोस्वामी तुलसीदास कृत श्रीरामचरितमानस और डॉ. भीमराव आंबेडकर के नेतृत्व में बना भारतीय संविधान – ये दोनों ग्रंथ भारतीय लोकतंत्र की आत्मा हैं। संयोग देखिए, श्रीराम चरित मानस की रचना तुलसीदास जी ने 2 साल 7 माह 26 दिन में पूरी की , वहीं संविधान निर्माण में भी 2 साल 11 माह 18 दिन लगे । दोनों की निर्माण अवधि 2 साल से अधिक रही। दोनों ही मानव जीवन के पथ प्रदर्शक हैं।भारत की राजनीति में श्रीराम केन्द्र बिन्दु हैं - भारत की राजनीति में श्रीराम जी हमेशा केन्द्र बिन्दु में रहे हैं - कल भी, आज भी और कल भी । इस संदर्भ में हर भारतवासी यह बात जानते हैं कि संविधान की मूल प्रति में नंदलाल बोस द्वारा बनाए गए श्रीराम जी का चित्र अंकित है। जो इस बात का प्रमाण है कि संविधान-निर्माताओं ने राम को आदर्श मानकर संविधान में स्थान दिया। दूसरी बात यह है कि मूल संविधान में 'धर्मनिरपेक्ष' (पंथ निरपेक्ष) शब्द नहीं था, उसे 1976 में 42 वें संशोधन से जोड़ा गया। इस संदर्भ में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि इस संशोधन से देश के लोकतांत्रिक मूल्यों को क्या बल मिला ? और क्या बदलाव आया ?मानस का सबसे निर्णायक प्रसंग कर्तव्य बोध - श्रीरामचरितमानस का सबसे बड़ा निर्णायक प्रसंग या मोड़ बिन्दु है राम का वनवास काल। अयोध्या में राज्याभिषेक की पूरी तैयारी के बाद श्रीराम को 14 वर्ष का वनवास मिला। उन्होंने बिना विरोध मानव धर्म का पालन करते हुए सहर्ष वनवास स्वीकार कर लिया। भरत की राजनीतिः रामपद बनाम राजपद

कैकेई ने भरत के लिए राजपद और राम के लिए वनवास माँगा। लेकिन भरत ने राजपद ठुकरा कर सिर्फ रामपद माँगाः जिसका उल्लेख श्रीराम चरित मानस में गोस्वामी तुलसीदास जी ने इस प्रकार किया है -अर्थ न धर्म न काम रुचि गति न चहऊं निर्वाण। जनम जनम रति राम पद यह वरदान न आन।। अर्थात भरत ने स्पष्ट किया कि उन्हें अर्थ ,धर्म ,काम और मोक्ष नहीं चाहिए, केवल जन्म जन्मांतर श्रीराम के पद में, श्रीराम के चरणों में अटूट प्रीति चाहिए।अंततः भरत ने श्रीराम की चरण-पादुका सिंहासन पर रखकर 14 वर्ष निष्काम भाव से राजधर्म निभाया। रामपद यानी सेवा, त्याग, समर्पण और मर्यादा को राजपद ऊपर रखना ही रामराज की पहली शर्त है । आज की राजनीति इसके उलट रामपद के बजाय राजपद की दौड़ में दिखाई देती है।

गुलामी से आजादी तकः बदलती मानसिकता

श्रीराम चरित मानस की रचना गुलामी के दौर में हुई, जबकि भारतीय संविधान आजादी के बाद बना। पर विडंबना यह है कि जिन राम को संविधान- निर्माताओं ने आदर्श माना, उन्हीं को आज कुछ लोग काल्पनिक बताकर नकार रहे हैं । दुष्प्रचार कर रहे हैं । इसी प्रकार दीपोत्सव और अन्य तीज त्यौहारों पर नेताओं की गलत बयानबाजी और सनातन पर अशोभनीय टिप्पणी बहुत ही चिंताजनक है । आखिर यह संतुष्टिकरण की राजनीति 2047 तक भारत को कहाँ ले जाएगी?आज हर दिन आरोप-प्रत्यारोप, बेलगाम बहसें जारी हैं। संसद की बातें सड़क पर हैं। अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर मर्यादा टूट रही है। संविधान हाथ में लेकर घूमने वाले क्या उसके अनुरूप आचरण कर रहे हैं ? जनता यह भी जानना चाहती है कि संविधान निर्माताओं ने जिस आस्था और विश्वास के साथ संविधान बनाया था, उसमें संशोधन करने से देश की किन महत्वपूर्ण अपेक्षाओं की पूर्ति हुई ?

समाधानः भारत को भरत का रास्ता

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हमें भरत की तरह संविधान के अनुरूप कर्तव्यों का पालन करना होगा। अधिकार से पहले कर्तव्य को रखना होगा। तभी श्रीरामचरितमानस की यह चौपाई साकार होगीः

दैहिक दैविक भौतिक तापा। रामराज काहू नहीं व्यापा।।

जब शासन में रामपद की भावना आएगी, तभी भारत में सच्चा रामराज आएगा।

डॉ. मुन्नालाल देवदास

राष्ट्रपति व राज्यपाल पुरस्कृत सेवानिवृत्त प्रधान पाठक, नवाचारी शिक्षाविद, साहित्यकार

नगर पंचायत कोपरा, जिला गरियाबंद, छत्तीसगढ़

मोः 9993644766 7 email: munnalaldevdasv@gmail.com

19 लोगों की जान लेने वाला कबरा कान हाथी बना 17 हाथियों के दल का नया लीडर, रामगढ़ पहाड़ के पास पहुंचा

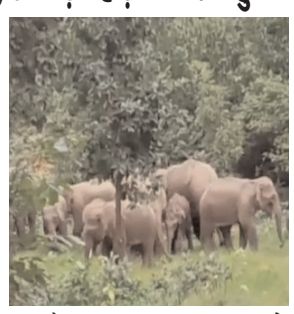

अंबिकापुर। सरगुजा संभाग में पिछले छह महीने से दहशत का पर्याय बना कबरा कान हाथी अब 17 हाथियों के दल का नया नेता बन गया है। बताया जा रहा है कि उसने दल के पुराने लीडर को लड़ाई में खदेड़ दिया, जिसके बाद उसने पूरे दल की कमान संभाल ली है। हाथियों के झुंड में शामिल होने के कारण अब वन विभाग के लिए उसे ट्रैंकुलाइज करना बड़ी चुनौती बन गया है। इधर, हाथी रविवार को ऐतिहासिक रामगढ़ पहाड़ के आसपास पहुंच गया है। वन विभाग की टीमें लगातार उसकी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं। जानकारी के अनुसार, बलरामपुर, सूरजपुर और सरगुजा जिले में अब तक 19 लोगों की जान ले चुका कबरा कान हाथी उदयपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत ऐतिहासिक रामगढ़ पहाड़ से लगे पार्वती गुफा के पास विचरण कर रहा है। शनिवार को वह 17 हाथियों के दल के साथ कुसुवामुड़ा जंगल में मौजूद था। इसके बाद रात में पूरा दल सुखरीभंडार, आमाडुग्गू और बेलढाब होते हुए सुबह बोंगरू पहुंचा। यहां से हाथियों का झुंड रामगढ़ के बड़े तुर्रा के पास जंगल में पहुंच गया। वन विभाग के सामने सबसे बड़ी परेशानी यह है कि कबरा कान हाथी अब अकेले नहीं, बल्कि 17 हाथियों के दल के साथ घूम रहा है। ऐसे में ट्रैंकुलाइज करने वाली टीम के लिए उसे सुरक्षित तरीके से निशाना बनाना मुश्किल हो रहा है।

संपादकीय

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का संकट, संसदीय समिति की बैठक से ही हटाया गया अहम मुद्दा

यह समझना मुश्किल है कि एक तरफ समूचे दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण एक गंभीर संकट के रूप में सार्वजनिक चर्चा और चिंता का विषय बन चुका है और दूसरी ओर, संसदीय समिति में प्रदूषण और वायु गुणवत्ता के सवाल को चर्चा तक से अलग क्यों हटाया जा रहा है। जिस समय दिल्ली सहित समूचा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र प्रदूषण से उपजे संकट में घिरा दिखता है, वैसे में कायदे से होना यह चाहिए था कि सरकार इस मसले को सर्वोच्च प्राथमिकता में रख कर इससे निपटने के उपाय करती। इसके अलावा, इस समस्या को किसी राजनीतिक दायरे में रखकर देखने के बजाय सभी दलों के साथ विचार कर प्रदूषण पर काबू पाने के रास्ते खोजती। मगर इसके उलट आई यह खबर परेशान करने वाली है कि गृह मामलों की संसदीय स्थायी समिति ने 17 नवंबर को होने वाली अपनी बैठक के संशोधित एजंडे से दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण और वायु गुणवत्ता के महत्त्वपूर्ण मुद्दे को हटा दिया है।जबकि संसदीय समिति ने पांच नवंबर को अपनी बैठक के एजंडे में एक अहम मुद्दे के रूप में दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण और नियामक उपायों की चर्चा शामिल की थी। दिल्ली और आसपास के इलाके में वायु गुणवत्ता की हालत को देखते हुए स्वाभाविक ही विपक्ष ने संसदीय समिति के रुख पर कड़ी आपत्ति जताई और इस मुद्दे को फिर से बैठक के एजंडे में शामिल करने की मांग की।यह समझना मुश्किल है कि एक तरफ समूचे दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण एक गंभीर संकट के रूप में सार्वजनिक चर्चा और चिंता का विषय बन चुका है और दूसरी ओर, संसदीय समिति में प्रदूषण और वायु गुणवत्ता के सवाल को चर्चा तक से अलग क्यों हटाया जा रहा है। खासतौर पर दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक की स्थिति लगातार 'बहुत खराब' की श्रेणी में दर्ज की जा रही है। एक्यूआइ का स्तर कई इलाकों में चार सौ से भी ऊपर जाना यही बताता है कि यहां प्रदूषण पर काबू पाने के सारे उपाय या तो नाकाम हो गए हैं या फिर उन नियमों को लागू करने के मामले में घोर लापरवाही बरती गई है। डब्ल्यूएचओ की सिफारिशों के मुताबिक, पीएम 2.5 का वार्षिक औसत स्तर प्रति घनमीटर सिर्फ पांच माइक्रोग्राम होना चाहिए। वहीं दिल्ली में पटाखे चलाने के मसले पर सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट दिशानिर्देशों का उल्लंघन हुआ और उस दिन यहां की हवा में सूक्ष्म प्रदूषण कण सीमा से चालीस गुना से ज्यादा पाए गए। सवाल है कि क्या सरकार इन्हीं मुद्दों पर चर्चा से बचना चाहती है। हैरानी की बात यह है कि वायु गुणवत्ता के मुद्दे को जहां संसदीय समिति की चर्चा से किनारे किया जा रहा है।

विश्व बैंक के ताजा आंकलन के अनुसार भारत में घट रही है गरीबी

(प्रह्लाद सबनानी)

देश में बेरोजगारी की दर में भी भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। भारत में बेरोजगारी की दर अब घटकर 3.1 प्रतिशत तक नीचे आ गई है। परंतु, विभिन्न राज्यों के बीच बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई दे रहा है। गुजरात में बेरोजगारी की दर केवल 0.9 प्रतिशत है तो छतीसगढ़ में केवल 1.9 प्रतिशत है।



हाल ही में विश्व बैंक ने एक प्रतिवेदन जारी कर बताया है कि भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या तेजी से घट रही है। केंद्र सरकार की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य श्रीमती शमिका रवि ने भी अपने एक रिसर्च पेपर में बताया है कि भारत में 10 वर्ष पूर्व तक गरीबी आंकलन के लिए सुरेश तेंदुलकर समिति की सिफारिशों के आधार पर विचार किया जाता था। इन सिफारिशों के अनुसार भारतीय नागरिकों को पूर्व निर्धारित स्तर तक कैलोरी प्राप्त करने हेतु होने वाले खर्च से यदि अधिक आय है तो उसे गरीबी की रेखा से ऊपर मान लिया जाता था। कैलोरी की आवश्यकता शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में निवासरत नागरिकों के लिए अलग अलग स्तर पर तय की जाती थी, इसे खाद्य गरीबी की संज्ञा भी दी जाती थी।

इसके बाद, रंगराजन समिति की सिफारिशों के आधार पर गरीबी का आंकलन किया जाने लगा, जिसमें खाद्य सामग्री, स्वास्थ्य, कपड़ा, मकान, शिक्षा आदि को जोड़ा गया है। भारत में वर्ष 2011-12 में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, देश की कुल जनसंख्या का, 29.5 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023-24 में घटकर 3.9 प्रतिशत रह गई है। यह एक अतुलनीय उपलब्धि मानी जा रही है। पूरे भारत वर्ष में ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में कमी दृष्टिगोचर हुई है। विश्व बैंक के ही एक अन्य अनुमान के अनुसार, भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, (अर्थात 3 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन की आय वाले नागरिक) वर्ष 2011 में 27 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023 में घटकर 2.6 प्रतिशत हो गई है। जबकि, 4.2 अमेरिकी डॉलर तक की प्रतिदिन आय वाले नागरिकों की संख्या वर्ष 2011 के 57.7 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2023 में 16.1 प्रतिशत रह गई है, जिसके वर्ष 2026 में 14.2 प्रतिशत एवं वर्ष 2028 में 12.1 प्रतिशत तक नीचे रहने का अनुमान विश्व बैंक द्वारा लगाया गया है। भारत में निवासरत समस्त वर्गों, अल्पसंख्यकों सहित, के नागरिकों की गरीबी में कमी दिखाई दी है। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में निवासरत अल्पसंख्यक वर्ग के नागरिकों की गरीबी तेजी से घटी है। लगभग12 वर्ष पूर्व तक जनजातीय क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों के बीच गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या 50 प्रतिशत तक थी जो अब घटकर 12 प्रतिशत के स्तर तक नीचे आ गई है।

एक प्रश्न पूछा जाता है कि गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में यदि इतनी कमी आई है तो फिर गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत देश के 85 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज क्यों उपलब्ध कराया जा रहा है। केंद्र सरकार के साथ साथ राज्य सरकारों द्वारा भी गरीब वर्ग की सहायता के लिए विशेष योजनाएं क्यों चलाई जा रही है। इस प्रश्न के उत्तर में यह तर्क दिया जा रहा है कि उक्त योजनाओं के माध्यम से गरीब वर्ग को सामाजिक एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है। इससे गरीब परिवारों को खाद्य सामग्री पर कम खर्च करना पड़ रहा है और इस मद से हुई बचत को गरीब वर्ग अपने सामाजिक स्तर में सुधार पर खर्च करने लगा है। भारत में हाल ही के समय में गरीब वर्ग की खाद्य सामग्री में फल, दूध, पनीर, दूध से बने अन्य पदार्थ, अंडे, आदि भी शामिल हो गए हैं। इससे गरीब वर्ग के पोषण एवं स्वास्थ्य में सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। इसके साथ ही, पूर्व में केंद्र सरकार को भारी मात्रा में अन्न का स्टॉक रखना पड़ता था। अन्न के स्टॉक को, बहुत बड़ी मात्रा में, चूहे नुक्सान पहुंचाते थे एवं वर्षा ऋतु में भी अन्न का भारी मात्रा में नुक्सान होता था। अब, चूंकि गेहूं एवं चावल जैसी खाद्य सामग्री को गरीब जनता के बीच सहायता के रूप में बांट दिया जाता है, इससे देश में अन्न की बचत ही हो रही है। केंद्र सरकार के अन्न को स्टोर करने की मद पर भी खर्च बहुत कम हो गया है। आज भारत में गरीब वर्ग भी गेहूं एवं चावल के स्थान पर पोषण सामग्री का अधिक उपयोग कर रहा है। 12 वर्ष पूर्व, भारत में 63 प्रतिशत नागरिकों द्वारा ताजे फलों का सेवन किया जाता था, आज यह संख्या बढ़कर 90 प्रतिशत तक पहुंच गई है। देश में दालों एवं फलों जैसी खाद्य सामग्री का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। देश में बेरोजगारी की दर में भी भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। भारत में बेरोजगारी की दर अब घटकर 3.1 प्रतिशत तक नीचे आ गई है। परंतु, विभिन्न राज्यों के बीच बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई दे रहा है। गुजरात में बेरोजगारी की दर केवल 0.9 प्रतिशत है तो छतीसगढ़ में केवल 1.9 प्रतिशत है। परंतु केरल में 12 प्रतिशत है तो हिमाचल प्रदेश में 17 प्रतिशत है। इतना बड़ा अंतर, राज्यों द्वारा निर्धारित की जा रही व्यापार की नीतियों में अंतर के चलते दिखाई दे रहा है। जिस प्रदेश की व्यापार एवं उद्योगों की नीतियां, व्यापारियों एवं उद्योगों के अधिक हित में हैं, उन प्रदेशों में रोजगार के अधिक अवसर निर्मित हो रहे हैं। आज भारत का युवा वर्ग अच्छी सरकारी नौकरी की तलाश में अधिक समय व्यतीत करने लगा है इसके कारण 18 से 30 वर्षों की उम्र के युवाओं में बेरोजगारी की दर बहुत अधिक है जबकि 30 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों में बेरोजगारी की दर बहुत कम है। 30 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही युवाओं को आभास होने लगता है कि अब तो जो भी रोजगार मिले उसे प्राप्त करना ही बेहतर है। इसी प्रकार, लगभग 10वीं कक्षा तक शिक्षा गृहण करने वाले युवाओं के बीच बेरोजगारी की दर बहुत कम है परंतु स्नातक एवं स्नातकोतर तक की शिक्षा गृहण करने वाले युवाओं के बीच बेरोजगारी की दर बहुत अधिक है। क्योंकि, अधिक पढ़ा लिखा वर्ग सरकारी नौकरी ढूंढने में अपना अधिक समय बर्बाद कर देता है। जबकि कम पढ़ा लिखा युवा सरकारी नौकरी के चक्कर से अपने आप को दूर रखते हुए जो भी रोजगार के अवसर उसे प्राप्त होता है उसे स्वीकार कर लेता है।

केरल, पंजाब एवं गोवा राज्यों में रोजगार के अधिक अवसर निर्मित नहीं हो पा रहे हैं क्योंकि इन प्रदेशों में सरकारी नीतियां ही इसके लिए जिम्मेदार मानी जा रही है। जबकि, गुजरात, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित हो रहे हैं क्योंकि इन प्रदेशों में वातावरण व्यापार एवं उद्योगों के लिए सहायक है। उक्त कारणों के चलते ही भारत का पश्चिमी एवं दक्षिणी भाग, उत्तरी एवं पूर्वी भाग की तुलना में अधिक तेजी से विकास कर रहा है। भारत की कुल जनसंख्या में से लगभग 60 प्रतिशत नागरिक ही श्रम के रूप में अपनी भागीदारी प्रदान कर रहे हैं जबकि वियतनाम में 70 प्रतिशत, बांग्लादेश में 67 प्रतिशत है। अर्थात, जितने अधिक नागरिकों को रोजगार उपलब्ध होगा देश के आर्थिक विकास में नागरिकों की भागीदारी उतनी अधिक होगी। हर्ष का विषय है कि भारत के ग्रामीण इलाकों में महिलाओं की श्रम में भागीदारी लगातार बढ़ रही है।

भारत में वर्ष 2011 से वर्ष 2023 के बीच 49.6 करोड़ नागरिकों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया जा सका है एवं रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित किए गए हैं। केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं यथा, प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण स्वच्छ भारत मिशन, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना, जल जीवन मिशन, दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना, आदि के सफल क्रियान्वयन से यह सम्भव हो सका है। वित्तीय समावेशन की सफलता ने भी इतनी बड़ी संख्या में गरीब नागरिकों को गरीबी रेखा के ऊपर लाए जाने ने अपना योगदान प्रदान किया है। प्रधानमंत्री जनधन योजना ने भी इस संदर्भ में गरीब वर्ग की बहुत मदद की है क्योंकि केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता राशि अब सीधे ही नागरिकों के बैंक खातों में जमा की जा रही है जिससे इस क्षेत्र में होने वाले भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई जा सकी है।

भारत में आज, पिछले 12 वर्ष पूर्व की तुलना में, अधिक शांति दिखाई देती है। देश में नागरिकों के बीच अशांति एवं दंगे आदि जैसी कुरीतियां कम हुई हैं। इन परिस्थितियों ने भारत में आर्थिक विकास की दर को तेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। पूरे विश्व में भारत आज सबसे अधिक शांति प्रिय देश माना जा रहा है। इसी का परिणाम है कि शुरुआती अनुमानों के अनुसार, इस वर्ष भारत में धन तेरस के पावन पर्व पर कुल 1.2 लाख करोड़ रुपए का व्यापार सम्भव हो सका है। देश में एक दिन में ही 50 टन सोने का व्यापार हुआ है। 20,000 करोड़ रुपए की चांदी खरीदी गई है। सोना-चांदी मिलाकर 66,000 करोड़ रुपए की खरीदारी की गई है। एक दिन में ही 5 लाख स्कूटर बिके हैं एवं लगभग एक लाख कारें बिकीं हैं। पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष धन तेरस के दिन 20 प्रतिशत अधिक व्यापार हुआ है। दिवाली के पूरे मौसम में इस वर्ष कुल 6 लाख रुपए से 7 लाख करोड़ रुपए के बीच व्यापार होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारत में छोटे छोटे अंतराल के बाद एक ऐसा त्यौहार मनाया जाता है जिसके चलते अर्थव्यवस्था में गति आ जाती है। जैसे, त्यौहारों का मौसम नवरात्रि से प्रारम्भ होता है, फिर दीपावली आती है इसके बाद होली आती है, प्रत्येक 3 माह के बाद कोई न कोई बड़ा त्यौहार आता है। इसी कारण से भारतीय अर्थव्यवस्था को त्यौहारी अर्थव्यवस्था का नाम भी दिया जाता है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषता है। धार्मिक पर्यटन उद्योग भी भारत में तेजी से आगे बढ़ रहा है जो अंततः भारतीय अर्थव्यवस्था को बल दे रहा है। कुछ विशिष्ट नगरों में निर्मित बड़े-बड़े मंदिर उस नगर की पूरी अर्थव्यवस्था को सम्हाल रहे हैं जिससे रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं एवं गरीब नागरिकों की संख्या में लगातार कमी हो रही है।

(लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सबसे पहले छठ व्रत किसने किया था, इसलिए माताएं गीले आंचल से पोंछती है बच्चों का मुख

उस समय सत्यधर्म से सृष्टि चल रही थी और धरती के राजा थे प्रियव्रत। कहते हैं कि इनके रथ के पहियों से सात समुद्र और सात द्वीपों का निर्माण हुआ है। संपूर्ण पृथ्वी पर उनका राज था लेकिन इन्हें बस एक बात की कमी थी, संतानहीन होना।

(राकेश झा)

छठ पर्व का व्रत बिहार से लेकर विदेश तक होने लगा है। लोग सात समुद्र पार भी छठ मनाने लगे हैं। लेकिन आस्था का यह महापर्व कब और कैसे शुरू हुआ है। किसने पहली बार छठ किया था।



इसके विषय में जड़ तक जाएं तो पता लगता है कि सतयुग में पहली बार छठ पर्व किया गया था। वहीं से संतान के लिए छठ पर्व करने का विधान भी बना। आइए जानें कैसे और किन परिस्थितियों में छठ पर्व शुरू हुआ।

छठ पर्व के बारे में आपने काफी सुना होगा। लेकिन आपको पता है कि सबसे पहले छठ का व्रत किसने किया था। आज जो छठ पर्व पर हजारों की संख्या में लोग छठ पर्व पर घर जाने के लिए पहुंच रहे हैं इस उत्साह और आस्था का आरंभ कहां से हुआ है।

अगर आप भी इस रहस्य को जानना चाहते हैं कि कैसे अब किसने पहली बार छठ पर्व मनाया था। तो इसका जवाब ढूंढने के लिए आपको हमारे साथ कई युग पीछे चलना होगा। क्योंकि छठ पर्व की शुरुआत की जो पहली कड़ी दिखती है उसका संबंध सतयुग से है।

उस समय सत्यधर्म से सृष्टि चल रही थी और धरती के राजा थे प्रियव्रत। कहते हैं कि इनके रथ के पहियों से सात समुद्र और सात द्वीपों का निर्माण हुआ है। संपूर्ण पृथ्वी पर उनका राज था लेकिन इन्हें बस एक बात की कमी थी, संतानहीन होना। ऐसे में राजा प्रियव्रत ने महर्षि कश्यप से पुत्रकामेष्टि यज्ञ करवाया और यज्ञ से जो प्रसाद प्राप्त हुआ वह रानी मालिनी को खिलाया। इससे रानी मालिनी गर्भवती हुईं।

समय आने पर रानी ने एक पुत्र को जन्म दिया लेकिन यह पुत्र जन्म के साथ ही मृत्यु को प्राप्त हो गया। दुखी मन से राजा प्रियव्रत अपने मरे हुए पुत्र को लेकर उसका अंतिम संस्कार करने वन मे आए। पुत्र शोक से मन में जीने की इच्छा भी समाप्त हो गई थी। ऐसे में उन्हें एक दिव्य प्रकाश दिखा। वह प्रकाश धीरे-धीरे राजा प्रियव्रत के समीप पहुंचा। उस प्रकाश के साथ एक देवी प्रकाशमान हो रही थीं। उस देवी से राजा प्रियव्रत ने पूछा कि हे देवी आप कौन हैं और यहां इस समय आपका क्यों आगमन हुआ है।

तब देवी ने कहा कि मैं ब्रह्माजी की मानस पुत्री हूं और सूर्य की बहन षष्ठी देवी हूं। हे राजन् मैं आपके इस मरे हुए पुत्र का नवजीवन प्रदान कर दूंगी। आप कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को अपने प्रजा के साथ मेरा पूजन कीजिए। मेरा पूजन करने से संतान की रक्षा होती है और निसंतान को संतान की प्राप्ति भी होती है। राजा प्रियव्रत ने देखा की उसका मृत पुत्र जीवित हो उठा है।

अपने पुत्र को वापस जीवित पाकर राजा प्रियव्रत अत्यंत प्रसन्न हुए और अपने नगर को लौट आए। इसके बाद इन्होंने कार्तिक शुक्ल षष्ठी तिथि को प्रजा के साथ मिलकर छठ व्रत किया। पृथ्वी पर इस समय पहली बार छठ पर्व मनाया गया था। इसके बाद राजा प्रियव्रत के कई संतान हुए और उन्होंने कई वर्षों तक धरती का राज भोगा। इसलिए छठ करने वाली माताएं छठ पर्व समाप्त होने पर अपने गीले आंचल से बच्चों का मुंह भी पोंछती हैं क्योंकि मान्यता कि इससे छठी देवी की कृपा होती है और दीर्घायु एवं आरोग्य की प्राप्ति होती है।

घुसपैठ के लिए मशहूर बांग्लादेश के लिए सिरदर्द बने रोहिंग्या घुसपैठिये

संयुक्त राष्ट्र की ओर से रोहिंग्याओं को उनके देश में नागरिकता और बुनियादी अधिकार दिलाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। 19 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में रोहिंग्या नरसंहार से जुड़े मामले में अपेक्षित फैसले को भी बांग्लादेश अहम मान रहा है। हालांकि, किसी भी अंतरराष्ट्रीय फैसले से अपने आप रोहिंग्याओं की वापसी सुनिश्चित नहीं हो जाएगी। इसके लिए म्यांमार के भीतर वास्तविक राजनीतिक और सुरक्षा परिस्थितियों में बदलाव जरूरी होगा।

(नीरज कुमार दुबे)

सवाल उठता है कि क्या बांग्लादेश म्यांमार बॉर्डर पर अपना नियंत्रण खोता जा रहा है? क्या उसकी सीमा अब केवल शरणार्थियों की आवाजाही का रास्ता बनकर रह गई है? और क्या रोहिंग्या संकट आने वाले समय में बांग्लादेश के लिए एक बड़े आंतरिक सुरक्षा संकट का रूप लेने जा रहा है? खुद घुसपैठ की समस्या को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाला बांग्लादेश आज रोहिंग्या घुसपैठियों की एक ऐसी बड़ी चुनौती से जूझ रहा है, जिसने उसकी आंतरिक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और सीमा प्रबंधन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। म्यांमार से लगी सीमा पर हालात लगातार विस्फोटक होते जा रहे हैं। एक तरफ म्यांमार के रखाइन प्रांत में सशस्त्र संगठन अराकान आर्मी का प्रभाव बढ़ रहा है, तो दूसरी तरफ हिंसा और विस्थापन से परेशान रोहिंग्या परिवार बांग्लादेश में दाखिल होने के रास्ते तलाश रहे हैं। हालात यहां तक पहुंच गए हैं कि बांग्लादेश को म्यांमार की केंद्रीय सत्ता के बजाय अराकान आर्मी से भी बातचीत करनी पड़ रही है। यहां सवाल उठता है कि क्या बांग्लादेश म्यांमार बॉर्डर पर अपना नियंत्रण खोता जा रहा है? क्या उसकी सीमा अब केवल शरणार्थियों की आवाजाही का रास्ता बनकर रह गई है? और क्या रोहिंग्या संकट आने वाले समय में बांग्लादेश के लिए एक बड़े आंतरिक सुरक्षा संकट का रूप लेने जा रहा है?

15 लाख रोहिंग्या, बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ : हम आपको बता दें कि बांग्लादेश सरकार के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने 11 नवंबर को संयुक्त राष्ट्र की म्यांमार संबंधी विशेष रैपोर्टियर केली ई. करी से मुलाकात के दौरान एक बेहद गंभीर आंकड़ा सामने रखा। उनके मुताबिक बांग्लादेश में रोहिंग्या शरणार्थियों की संख्या 15 लाख से अधिक हो चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि सरकारी रिकॉर्ड में संख्या इससे कम दर्ज है, लेकिन वास्तविक स्थिति कहीं ज्यादा बड़ी बताई जा रही है। इनमें से अधिकांश रोहिंग्या कॉक्स बाजार के शिविरों में रह रहे हैं। ये वे लोग हैं जो अगस्त 2017 में म्यांमार की सैन्य कार्रवाई के बाद अपना घर छोड़कर बांग्लादेश पहुंचे थे। बांग्लादेश के गृह मंत्री ने साफ कहा कि इतने बड़े शरणार्थी समुदाय को लंबे समय तक अपने यहां रखने से देश की अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव पड़ रहा है। ढाका ने अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय से म्यांमार पर समन्वित कूटनीतिक दबाव बनाने की मांग की है। ढाका में सवाल उठ रहा है कि बांग्लादेश आखिर कब तक इस आबादी का बोझ उठाएगा? जब शरणार्थियों की वापसी का कोई ठोस रास्ता नहीं दिख रहा और सीमा पार हिंसा लगातार जारी है, तब ढाका के सामने संकट और गहराता जा रहा है।

म्यांमार की सीमा पर अब अराकान आर्मी का दबदबा : साथ ही बांग्लादेश की सबसे बड़ी परेशानी यह है कि म्यांमार के रखाइन प्रांत में अब वहां की सैन्य सरकार का नियंत्रण पहले जैसा नहीं रह गया है। अराकान आर्मी ने बड़े भूभाग पर अपना कब्जा जमा लिया है और बांग्लादेश से लगी सीमा के बड़े हिस्से पर भी उसका प्रभाव है। यानी बांग्लादेश के सामने अब एक ऐसी ताकत खड़ी है, जो म्यांमार की आधिकारिक सरकार नहीं है, लेकिन सीमा के दूसरी तरफ वास्तविक नियंत्रण उसी का है। यही वजह है कि बांग्लादेश की विदेश मामलों की राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने 8 नवंबर को खुलासा किया कि ढाका म्यांमार की सैन्य सरकार के साथ-साथ अराकान आर्मी से भी बातचीत कर रहा है। रोहिंग्याओं की वापसी के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति बनाने वाली समिति गठित की गई है और इस समिति के तहत दोनों पक्षों से संपर्क साधा जा रहा है। देखा जाये तो यह घटनाक्रम अपने आप में बांग्लादेश की कूटनीतिक मजबूरी को उजागर करता है। जिस संगठन के नियंत्रण वाले इलाके से रोहिंग्याओं का पलायन हो रहा है, उसी संगठन से अब बांग्लादेश को बातचीत करनी पड़ रही है। यह संकेत है कि म्यांमार की सीमा पर सत्ता और नियंत्रण का समीकरण पूरी तरह बदल चुका है।

समुद्री रास्ते से घुसपैठ, 38 रोहिंग्या पकड़े गए : साथ ही सीमा पर बिगड़ते हालात का ताजा उदाहरण 38 रोहिंग्याओं की गिरफ्तारी है। बुधवार की रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश के बॉर्डर गार्ड्स ने टेकनाफ इलाके में म्यांमार से मछली पकड़ने वाली नाव के जरिए पहुंचे 38 रोहिंग्याओं को हिरासत में लिया। इनमें आठ पुरुष, 14 महिलाएं और 16 बच्चे शामिल थे। रिपोर्ट के मुताबिक इन लोगों को नाव के जरिए बांग्लादेश लाने के लिए मोटी रकम वसूली गई थी। नाव से उतरने के बाद उन्हें एक स्थानीय महिला के घर में ठहराया गया था। सूचना मिलने पर बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ने छापा मारकर सभी को हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने कानूनी कार्रवाई शुरू करने की पुष्टि की है। यह घटना बताती है कि म्यांमार में जारी हिंसा अब बांग्लादेश की सीमा पर किस तरह दबाव बना रही है। घुसपैठ के लिए केवल जमीन का रास्ता ही नहीं, बल्कि समुद्री मार्ग भी इस्तेमाल हो रहा है। स्थानीय नाव मालिकों और बिचौलियों की भूमिका इस समस्या को और गंभीर बनाती है।

रोहिंग्याओं का संकट अब बांग्लादेश की आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौती : देखा जाये तो रोहिंग्या संकट अब केवल शरणार्थियों को भोजन, आवास और चिकित्सा उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रह गया है। कॉक्स बाजार में बड़ी संख्या में शरणार्थियों की मौजूदगी ने स्थानीय संसाधनों, रोजगार और सामाजिक व्यवस्था पर दबाव बढ़ाया है। इसके साथ ही अवैध आवाजाही, मानव तस्करी और संगठित घुसपैठ के नेटवर्क की आशंकाएं भी सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती हैं। साथ ही म्यांमार के रखाइन प्रांत में अराकान आर्मी के नियंत्रण वाले इलाकों में रोहिंग्या समुदाय पर हिंसा, जबरन विस्थापन और आवाजाही पर पाबंदियों की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। ब्रिटिश सरकार की जनवरी 2026 की देश संबंधी रिपोर्ट में भी अराकान आर्मी के नियंत्रण वाले इलाकों में रोहिंग्याओं के उत्पीड़न, मनमानी गिरफ्तारियों और आवाजाही पर प्रतिबंधों का उल्लेख है। रिपोर्ट के मुताबिक 2024 और 2025 के दौरान हिंसा के कारण दो लाख तक रोहिंग्या बांग्लादेश पहुंचे। ऐसे में बांग्लादेश के लिए मुश्किल दोहरी है। एक तरफ पहले से मौजूद 15 लाख से अधिक लोगों का बोझ है, दूसरी तरफ म्यांमार में जारी संघर्ष नए लोगों को सीमा पार करने के लिए मजबूर कर रहा है। यदि यह सिलसिला जारी रहा तो शरणार्थी शिविरों का विस्तार, सुरक्षा व्यवस्था और स्थानीय प्रशासन पर दबाव और बढ़ सकता है।

भारत, चीन और अमेरिका की भूमिका पर टिकी निगाहें : उधर, बांग्लादेश अब इस संकट से निकलने के लिए भारत, चीन, अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे प्रभावशाली पक्षों से म्यांमार पर कूटनीतिक दबाव बनाने की मांग कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र की विशेष रैपोर्टियर केली करी के साथ बैठक में भी यह मुद्दा प्रमुखता से उठा। संयुक्त राष्ट्र की ओर से रोहिंग्याओं को उनके देश में नागरिकता और बुनियादी अधिकार दिलाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। 19 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में रोहिंग्या नरसंहार से जुड़े मामले में अपेक्षित फैसले को भी बांग्लादेश अहम मान रहा है। हालांकि, किसी भी अंतरराष्ट्रीय फैसले से अपने आप रोहिंग्याओं की वापसी सुनिश्चित नहीं हो जाएगी। इसके लिए म्यांमार के भीतर वास्तविक राजनीतिक और सुरक्षा परिस्थितियों में बदलाव जरूरी होगा। बहरहाल, देखना होगा कि क्या बांग्लादेश अपनी म्यांमार सीमा पर बदलते सत्ता समीकरणों के बीच प्रभावी नियंत्रण बनाए रख पाएगा? जब सीमा के दूसरी तरफ अराकान आर्मी का दबदबा है, म्यांमार की केंद्रीय सत्ता कमजोर है और समुद्री रास्तों से रोहिंग्याओं की आवाजाही जारी है, तब ढाका के सामने चुनौती केवल घुसपैठ रोकने की नहीं, बल्कि अपने सीमावर्ती क्षेत्र की सुरक्षा और राष्ट्रीय स्थिरता बचाने की भी है। कुल मिलाकर, बांग्लादेश के लिए रोहिंग्या संकट अब एक ऐसा सुरक्षा और कूटनीतिक जाल बनता जा रहा है, जिससे निकलने का रास्ता फिलहाल नजर नहीं आ रहा है।

-(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

समझो इशारे, रखो दिल का बेहतर ख्याल

आजकल दिल की बीमारियां तेजी से फैल रही हैं. 25-30 साल की उम्र में भी दिल की धड़कनों के दगा देने के मामले सामने आ रहे हैं. परेशानी की बात यह है कि इस उम्र में ध्यान न देने से बीमारी गंभीर हो जाती है और कई बार लाइलाज स्तर पर पहुंच जाती है. हम बता रहे हैं, दिल की आम बीमारियों, उन्हें पहचानने के तरीकों और जांच के बारे में, जिससे वक्त रहते समस्या पर काबू पाया जा सके.



दिल की हर तरह की समस्या के लिए अलग इलाज की जरूरत होती है, मगर इनके लक्षण कई बार एक जैसे हो सकते हैं. ऐसे में यह जरूरी है कि आप समय-समय पर रुटीन जांच कराते रहें और कोई समस्या होने पर डॉक्टर से सलाह लें.

कोरोनरी आर्टरी डिजीज

इसका सबसे आम लक्षण है एंजाइना या छाती में दर्द. एंजाइना को छाती में भारीपन, असामान्यता, दबाव, दर्द, जलन, ऐंठन या दर्द के अहसास के रूप में पहचाना जा सकता है. कई बार इसे अपच या हार्टबर्न समझने की गलती भी हो जाती है. एंजाइना कंधे, बाहों, गर्दन, गला, जबड़े या पीठ में भी महसूस की जा सकती है. बीमारी के दूसरे लक्षण ये हो सकते हैं : छोटी-छोटी सांस आना, पल्पिटेशन, धड़कनों का तेज होना, कमजोरी या चक्कर आना, उल्टी आने का अहसास होना, पसीना आना.

हार्ट अटैक

सीने, बाहों, कुहनी या छाती की हड्डियों में असहजता, दबाव, भारीपन या दर्द का अहसास, असहजता का पीठ, जबड़े, गले और बाहों तक फैलना, पेट भरा होने, अपच या हार्टबर्न का अहसास होना, पसीना, उल्टी, मितली या कमजोरी महसूस होना, बहुत ज्यादा कमजोरी, घबराहट या सांस का रुक-रुककर आना, दिल की धड़कनों का तेज या अनियमित होना. हार्ट अटैक के दौरान आमतौर पर लक्षण आधे घंटे तक या इससे ज्यादा समय तक रहते हैं और आराम करने या दवा खाने से आराम नहीं मिलता. लक्षणों की शुरुआत मामूली दर्द से होकर गंभीर दर्द तक पहुंच सकती है. कुछ लोगों में हार्ट अटैक का कोई लक्षण सामने नहीं आता, जिसे हम साइलेंट मायोकार्डियल इन्फ्रैक्शन यानी एमआई कहते हैं. ऐसा आमतौर पर उन मरीजों में होता है जो डायबीटीज से पीड़ित होते हैं. जिन लोगों को हार्ट अटैक की आशंका है, वे बिल्कुल देर न करें. फौरन आपातकालीन मदद लें, क्योंकि हार्ट अटैक में फौरन इलाज बेहद जरूरी है. इलाज जितनी जल्दी होगा, मरीज के पूरी तरह ठीक होने की संभावना उतनी ही ज्यादा होगी.

एरिदमिया

जब भी एरिदमिया यानी दिल की असामान्य धड़कनों के लक्षण सामने आते हैं, इन दिक्कतों का अहसास हो सकता है: पल्पिटेशन (दिल की धड़कनों के चूकने का अहसास या तेज रफ्तार से सीने में धड़कन महसूस होना), सीने में प्रहार जैसा महसूस होना, चक्कर आना या सिर में हल्कापन महसूस होना, बेहोशी, छोटी-छोटी सांस आना, सीने में असहज महसूस होना, कमजोरी या थकावट.

हार्ट वाल्व संबंधी बीमारी के लक्षण

पूरी सांस न आना, खासतौर से तब, जब आप अपनी सामान्य नियमित दिनचर्या कर रहे हों या बिस्तर पर सीधे लेटे हों, कमजोरी या बेहोशी महसूस होना, सीने में असहजता महसूस होना, कुछ काम करते वक्त या ठंडी हवा में बाहर निकलने पर छाती पर दबाव या भारीपन महसूस होना, पल्पिटेशन (यह दिल की धड़कनों के तेजी से चलने, अनियमित धड़कन, धड़कनों के चूकने आदि के रूप में महसूस हो सकता है.)

अगर वाल्व संबंधी बीमारी के चलते हार्ट फेल होता है तो ये लक्षण दिखाई देते हैं: पैर या टखनों में सूजन, पेट में भी सूजन हो सकती है, जिसके चलते पेट फूला हुआ महसूस हो सकता है, अचानक वजन बढ़ना. एक दिन में दो से तीन पाउंड तक वजन बढ़ सकता है. हार्ट वाल्व संबंधी बीमारी के लक्षण हमेशा स्थिति की गंभीरता से संबंधित नहीं होते. कई बार ऐसा भी होता है कि कोई लक्षण सामने नहीं आता, जबकि व्यक्ति को हार्ट वाल्व की गंभीर बीमारी होती है, जिसमें फौरन इलाज की जरूरत होती है. कभी-कभी ऐसा भी होता है कि लक्षण काफी गंभीर होते हैं, समस्या भी गंभीर होती है, मगर जांच में वाल्व संबंधी मामूली बीमारी का पता लगता है.

हार्ट फेलियर

कुछ काम करते वक्त या आराम के दौरान छोटी-छोटी सांसें आना, खासतौर से तब जब आप बिस्तर पर सीधे लेटे हों, खांसी होना जिसमें सफेद बलगम बन रहा हो, अचानक वजन बढ़ना (एक दिन में दो से तीन पाउंड तक वजन बढ़ सकता है), टखने, पैरों और पेट में सूजन, बेहोशी, कमजोरी और चक्कर आना, मितली, पल्पिटेशन या छाती में दर्द.

वाल्व संबंधी बीमारियों की तरह ही हार्ट फेलियर में भी लक्षण इस बात के संकेत नहीं होते हैं कि हार्ट कितना कमजोर है. हो सकता है कि मरीज में बहुत सारे लक्षण दिख रहे हों, मगर उसका दिल मामूली तौर पर डैमेज हुआ हो. ऐसा भी हो सकता है कि किसी में हार्ट के गंभीर रूप से डैमेज होने के बावजूद मामूली लक्षण दिख रहे हों.

दिल संबंधी जन्मजात दोष

ऐसे दोषों का जन्म से पहले, जन्म के फौरन बाद या बचपन में भी पता लगाया जा सकता है. कई बार बड़े होने तक इसका पता नहीं लग पाता. यह भी मुमकिन है कि समस्या का कोई लक्षण सामने आए ही नहीं. ऐसे मामलों में कई बार शारीरिक जांच में दिल की मंद ध्वनि से या ईकेजी या चेस्ट एक्सरे में इसका पता लग जाता है. जिन वयस्कों में जन्मजात दिल की बीमारी के लक्षण मौजूद होते हैं, उनमें ऐसा देखा जाता है: जल्दी-जल्दी सांस लेना, शारीरिक व्यायाम करने की सीमित क्षमता, हार्ट फेलियर या वाल्व संबंधी बीमारी के लक्षण दिखना, नवजात और बच्चों में जन्मजात हृदय संबंधी दोष, साइनोसिस (त्वचा, उंगलियों के नाखूनों और होठों पर हल्का नीला रंग दिखाई देना), तेज सांस लेना और भूख में कमी, वजन ठीक ढंग से न बढ़ना, फेफड़ों में बार-बार इन्फेक्शन होना, एक्सरसाइज करने में दिक्कत.

फिट शरीर की कुंजी हैं स्वस्थ दांत. आइये जानें उन 5 गलतियों के बारे में जिनकी वजह से दांतों को भारी नुकसान पहुंचता है :

स्वस्थ शरीर के लिए स्वस्थ दांत

रेग्युलर चेकअप से परहेज



नियमित रूप से अपने दांतों का चेकअप करना दांतों की देखभाल के लिए बहुत जरूरी है. आपको अपने दांतों में दर्द, सड़न, सेंसिटिविटी होने तक का इंतज़ार नहीं करना चाहिए. साल में एक बार डेंटिस्ट से चेकअप कराएं. इससे होने वाली परेशानी को पहले ही रोक सकेंगे.

परेशानी को भूल जाना

किसी भी परेशानी को जरा आराम मिलते ही भूल जाना दांतों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है. फॉलोअप यानी जांच, इलाज के बाद और बीच में बहुत जरूरी होती हैं, आपका ट्रीटमेंट कुछ भी हो लेकिन अगर डेंटिस्ट ने आपको फिर से चेकअप के लिए कहा है तो जरूर कराएं. खासतौर पर अगर रूट कैनाल, दांत निकलवाना. मसूड़ों की सजरी जैसी स्थिति में घाव भरते और कंडिशन के पूरी तरह से नॉर्मल होते वक्त लगता है इसलिए रेग्युलर फॉलोअप करें.

खुद बनना दांत का डॉक्टर

किसी भी दवा के बिना डॉक्टरी सलाह के लेना नुकसानदायक हो सकता है. इसलिए जब भी आपको दांत, मुंह या शरीर के किसी अन्य हिस्से में कोई परेशानी महसूस हो तो डॉक्टर के पास जाएं न कि पुराने नुस्खों को ही आजमाएं.

पहले का इलाज न बताना

अगर दांतों का इलाज कराने जाने से पहले इस बात को अपने डेंटिस्ट को बताएं कि आपका पहले किस-किस बीमारी में क्या इलाज हो चुका है. इसके अलावा अगर आप कोई दवाई खा रहे हैं या लंबे वक्त तक खाते रहे हैं तो उसके बारे में भी बताएं. अगर किसी दवा से एलजी या रिएक्शन है तो डेंटिस्ट को बताएं. आपके दांत भी शरीर का ही अंग हैं इसलिए बाकी शरीर के बारे में दी गई जानकारी आपके लिए फायदेमंद हो सकती है.

फर्राटा सफाई

लोग दांतों को साफ करने में या तो वक्त बिताना ही नहीं चाहते या फिर बहुत कम वक्त देना चाहते हैं. कुछ लोगों को दिन में 2 बार दांतों की सफाई झंझट लगती है. हालांकि दांतों को हेल्थी बनाए रखने के लिए जरूरी है कि दांतों को 2 से 3 बार कायदे से साफ किया जाए. एक बात ध्यान रखें कि दांतों को ज्यादा बार और तेज ब्रश करने से दांतों की ऊपरी परत यानी इनेमल कमजोर हो जाती है. इससे दांतों की जड़ें दिखने लगाती हैं इसलिए दांतों की सफाई सही तरीका बहुत अहम होता है. मुलायम ब्रश से दांतों की ऊपरी और भीतरी दोनों की तरफ सफाई करें. जब दांतों के ब्रशल्स खराब हो जाएं या 3-4 महीने में ब्रश जरूर बदल दें.

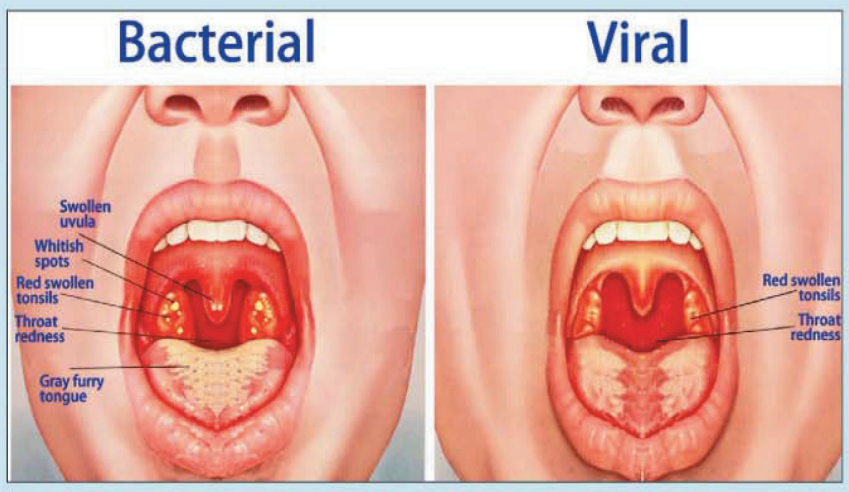

टॉन्सिल इन्फेक्शन को टाटा

अक्सर बड़ी बीमारियों के डर से हम छोटी बीमारियों को नजरअंदाज कर देते हैं. बड़ी बीमारियां न हों, इसके लिए तो हम अपने खानपान का पूरा ध्यान रखते हैं, लेकिन छोटी-सी दिखने वाली बीमारी को बढ़ा लेते हैं. ऐसी ही एक आम-सी लगने वाली बीमारी है टॉन्सिलाइटस. इसे नजरअंदाज करना सही नहीं है.

क्या है टॉन्सिल्स

यह बादाम के आकार के ऐसे अंग हैं, जो हमारे मुंह के अंदर गले के दोनों तरफ होते हैं. टॉन्सिल्स हमारे शरीर के सिक्युरिटी गार्ड के रूप में काम करते हैं और बाहरी इन्फेक्शन से हमारी हिफाजत करते हैं. ये बाहर से आने वाली किसी भी बीमारी को हमारे शरीर में दाखिल होने से रोकते हैं. अगर हमारे टॉन्सिल मजबूत होंगे तो वे बीमारी को शरीर में जाने से तो रोकेंगे ही, साथ ही खुद भी उस बीमारी या इन्फेक्शन से बच जाएंगे. अगर टॉन्सिल्स कमजोर होंगे तो वे बीमारी को शरीर में जाने से तो रोक लेंगे लेकिन खुद बीमार हो जाएंगे यानी उनमें सूजन आ जाएंगी, वे लाल हो जाएंगे, उनमें दर्द होगा जिससे बुखार हो जाएगा. इसके अलावा कुछ भी खाने-पीने या निगलने में दिक्कत होगी.

क्या है टॉन्सिलाइटस

टॉन्सिल में होने वाले इन्फेक्शन को टॉन्सिलाइटिस कहते हैं. टॉन्सिलाइटिस की समस्या क्रॉनिक (लगातार बनी रहे) हो जाए तो ठीक नहीं है. टॉन्सिलाइटस को क्रॉनिक तब कहेंगे, जब यह समस्या हर एक-दो महीने में बार-बार हो रही हो. एक बार टॉन्सिलाइटिस होने पर अगर यह प्रॉब्लम दोबारा छह महीने बाद हो तो वह नॉर्मल है.

लक्षण

टॉन्सिल्स का बढ़ना और सूज जाना, गले के बाहर भी सूजन, सूजन के साथ-साथ गले में दर्द, कुछ भी खाने-पीने और निगलने में दिक्कत, टॉन्सिल्स और गले का लाल होना, तेज बुखार होना, थकान होना, कान में दर्द, आवाज में बदलाव और भारीपन आना.

नोट : बच्चों और बड़े, दोनों में टॉन्सिलाइटिस के लक्षण एक जैसे ही होते हैं.

किस मौसम में होता है

वैसे तो टॉन्सिलाइटिस इन्फेक्शन पूरे साल कभी भी हो सकता है लेकिन मौसम बदलने के दौरान यानी मार्च और सितंबर-अक्टूबर में इस इन्फेक्शन के होने का खतरा ज्यादा रहता है. इन महीनों में आप अपना ज्यादा ख्याल रखेंगे मसलन बहुत ठंडा-गरम, तीखा आदि न खाएं तो टॉन्सिलाइटिस से बच सकते हैं.

कैसे होता है

बहुत तेज गर्म खाना खाने से. बहुत ज्यादा ठंडा खाने या पीने से, जैसे एकदम ठंडी आइसक्रीम या कोल्ड ड्रिंक आदि. ज्यादा मिर्च-मसाले वाला तीखा और तला-भुना खाना खाने से, टॉन्सिल्स के कमजोर होने पर भी, प्रदूषण, धूल-मिट्टी आदि से, इम्यून सिस्टम (बीमारियों से लड़ने की क्षमता) कमजोर होने पर, पेट खराब होने से गैस या कब्ज की लगातार शिकायत रहने पर.

क्या है इलाज

अगर बुखार न हो तो मरीज को बुखार की कोई दवा नहीं दी जाती. गले में दर्द के लिए सिर्फ गरारे के लिए कहा जाता है. अगर टॉन्सिलाइटिस वायरल इन्फेक्शन की वजह से होता है तो बुखार के लिए पैरासिटामॉल (क्रॉसिन, कालपोल आदि) की गोली दी जाती है. गले में दर्द के लिए गुनगुने पानी में नमक डालकर मरीज को उसके गरारे करने को कहा जाता है. अगर टॉन्सिलाइटिस बैक्टीरियल इन्फेक्शन से हुआ है तो पैरासिटामॉल और गरारों के साथ एंटी-बायोटिक दवाएं भी दी जाती हैं. इससे एक हफ्ते में मरीज को आराम हो जाता है और दो हफ्ते में वह पूरी तरह ठीक हो जाता है.

अनीमिया से बचाएं खुद को

अनीमिया एक साधरण-सी लगने वाली बीमारी है. बॉडी में आयरन की कमी को हम आम बात समझकर इस पर खास ध्यान नहीं देते. हमारी यही लापरवाही खतरनाक साबित हो सकती है.

क्या है अनीमिया

हमारे शरीर के सेल्स को जिंदा रहने के लिए ऑक्सिजन की जरूरत होती है. शरीर के अलग-अलग हिस्सों में ऑक्सिजन रेड ब्लड सेल्स (आरबीसी) में मौजूद हीमोग्लोबिन पहुंचाता है. आयरन की कमी और दूसरी वजहों से रेड ब्लड सेल्स और हीमोग्लोबिन की मात्रा जब शरीर में कम हो जाती है, तो उस स्थिति को अनीमिया कहते हैं. आरबीसी और हीमोग्लोबिन की कमी से सेल्स को ऑक्सिजन नहीं मिल पाती. कार्बोहाइड्रेट और फैट को जलाकर एनर्जी पैदा करने के लिए ऑक्सिजन जरूरी है. ऑक्सीजन की कमी से हमारे शरीर और दिमाग के काम करने की क्षमता पर असर पड़ता है.

क्या हैं कारण

आयरन, विटामिन सी, विटामिन बी 12, प्रोटीन या फॉलिक एसिड की कमी, हेमरेज या लगातार खून बहने से खून की मात्रा कम हो जाना, ब्लड सेल्स का बहुत ज्यादा मात्रा में नष्ट हो जाना या बनने में कमी आ जाना, पेट में कीड़े (राउंड वॉर्म और हुक वॉर्म) होना, लंबी बीमारी जैसे कि पाइल्स आदि, जिनमें खून का लॉस होता हो, पीरियड्स में बुहत ज्यादा ब्लीडिंग, ल्यूकिमिया, थैलीसीमिया आदि की फैमिली हिस्ट्री है, तो 50 फीसदी तक चांस बढ़ जाते हैं, जंक फूड ज्यादा खाने से, एक्सर्साइज़ न करने से, प्रेगनेंट महिलाओं का हेल्दी डाइट न लेना.



कितनी तरह का अनीमिया

अनीमिया खून की सबसे सामान्य समस्या है. हमारे देश में आयरन की कमी से होने वाला अनीमिया सबसे ज्यादा पाया जाता है. यह तीन तरह का होता है:

1. **माइल्ड** - अगर बॉडी में हीमोग्लोबिन 10 से 11 प्रतिशत के आसपास हो तो इसे माइल्ड अनीमिया कहते हैं. इसमें हेल्थी और बैलेंस्ड डाइट खाने की सलाह के अलावा आयरन सप्लिमेंट्स दिए जाते हैं.
2. **मॉडरेट** - अगर हीमोग्लोबिन 8 से 9 प्रतिशत होगा तो इसे मॉडरेट अनीमिया कहेंगे. इसमें डाइट के साथ-साथ इंजेक्शास भी देने पड़ सकते हैं.
3. **सीवियर** - हीमोग्लोबिन अगर 8 प्रतिशत से कम हो तो सीवियर अनीमिया कहलाता है, जो एक गंभीर स्थिति होती है. इसमें मरीज की हालत की गंभीरता को देखते हुए ब्लड भी चढ़ाना पड़ सकता है.

किन्हें खतरा ज्यादा

किडनी, डायबीटीज, बवासीर, हर्नियाऔर दिल के मरीजों को, शाकाहारी लोगों को, प्रेगनेंट या स्मोकिंग करनेवाली महिलाओं को.

लक्षण

कमजोरी, थकान और चिड़चिड़ापन, किसी भी काम में मन या ध्यान न लगना, दिल की धड़कन नॉर्मल न होना, सांस उखड़ना और चक्कर आना, छोटे-छोटे कामों में भी थकान महसूस होना, आंखें, जीभ, स्किन और होंठ पीले पड़ना. ये सामान्य लक्षण हैं, लेकिन यह स्थिति लगातार बनी रहे तो कई गंभीर लक्षण भी दिखाई देने लगते हैं जैसे- सिर, छाती या पैरों में दर्द होना, जीभ में जलन होना, मुंह और गला सूखना, मुंह के कोनों पर छाले हो जाना, बालों का कमजोर होकर टूटना, निगलने में तकलीफ होना, स्किन, नाखून और मसूड़ों का पीला पड़ जाना.

ऐसे करें पहचान - अनीमिया के शुरुआती लक्षण बहुत सामान्य होते हैं। मरीज अपनी समस्या पहचान नहीं पाता। डॉक्टर को कमजोरी आदि की शिकायत करता है तो टेस्ट कराए जाते हैं। - इसके लिए कंप्लीट ब्लड काउंट (सीबीसी) किया जाता है। इसमें रेड ब्लड सेल और हीमोग्लोबिन का लेवल जांचा जाता है। साल में एक बार यह टेस्ट करा लेना चाहिए।

खानपान पर ध्यान जरूरी

आयरन की डिमांड पूरी करने के लिए हमें हेल्थी और बैलेंस्ड डाइट खानी चाहिए. तीनों मील्स के अलावा दो स्नैक्स भी खाएं और खाने में अंडे, साबुत अनाज, सूखे मेवे, फल और हरी पत्तेदार सब्जियां ज्यादा मात्रा में हों. आयरन से भरपूर चीजें खाएं.

नोट : आयरन की कड़ाही में खाना पकाने से खाने में आयरन बढ़ जाएगा, यह पूरी तरह मिथ है. ऐसा करने से खाने में आयरन की मात्रा बढ़ती नहीं है.

ऐसे रखें अपनी किडनी का ख्याल

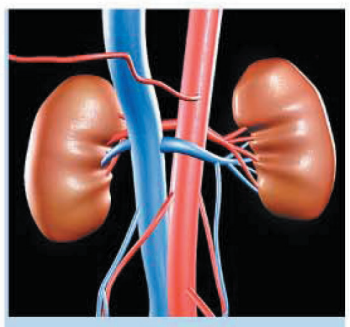

किडनी की बीमारी रोजमर्रा के जीवन की रफ्तार पर लगाम तो लगा सकती है, लेकिन खानपान की आदतें बदलकर हम मुश्किलों को कम जरूर कर सकते हैं. किडनी की बीमारी में यदि प्रोटीन, सोडियम, पोटाशियम, कैल्शियम, फॉस्फोरस और तरल चीजों का सही मात्रा में सेवन किया जाए तो किडनी के खराब होने की रफ्तार को धीमा किया जा सकता है.

किडनी की बीमारी इस मायने में खास है कि इसके होने के बाद शरीर को पोषण देने वाले पदार्थ ही नुकसान भी पहुंचा सकते हैं. ऐसे में मरीजों के लिए दुविधा की स्थिति रहती है कि क्या खाएं क्या न खाएं. आइए एक-एक करके नजर डालते हैं इसी पर.

प्रोटीन - प्रोटीन की खुराक को समझने के लिए टेस्ट से अपने किडनी की फिल्टर करने की ताकत का पता करना जरूरी हो जाता है. वैसे, मरीजों को कीटो एसिड भी दिए जाते हैं, जिसमें नाइट्रोजन नहीं होता. ये शरीर में जाकर प्रोटीन की कमी तो दूर करते हैं लेकिन नाइट्रोजन वेस्ट नही बनाते. इसकी वजह से किडनी पर अधिक काम करने का दबाव नही पड़ता इसके साथ ही कीटो एसिड में कैल्शियम सॉल्ट भी होता है, जो शरीर को कैल्शियम देता है. यह कैल्शियम फॉस्फेट के साथ मिलकर एक कॉम्प्लेक्स तैयार करता है, जिसे मल के साथ शरीर बाहर निकाल देता है. इससे शरीर में फॉस्फेट की मात्रा भी काबू में रहती है यदि कोई मरीज डायलिसिस पर है, तब उसे अधिक प्रोटीन की जरूरत होती है, क्योंकि डायलिसिस से शरीर के प्रोटीन का नुकसान भी होता है.

कार्बोहाइड्रेट्स - किसी मरीज को कितनी कैलरीज लेनी हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उसकी उम्र क्या है और वह दिन में कितना काम करता है. 60 साल से कम उम्र के हैं तो एक दिन में 35 किलो कैलरीज/किलो वजन के हिसाब से डाइट लें. 60 साल से अधिक उम्र के हैं तो 30 किलो कैलरीज/ किलो वजन के हिसाब से कार्बोहाइड्रेट की डाइट लें. किसी भी स्टेज के मरीज के लिए कार्बोहाइड्रेट्स की 6-11 सर्विंग्स ली जा सकती हैं.

फॉस्फेट - जब फॉस्फेट की मात्रा खून में अधिक हो जाती है तो शरीर में खुजली होती है और हड्डियों में कैल्शियम का नुकसान होने लगता है, जिसे ऑस्टियोपोरोसिस कहते हैं. इसके साथ ही अधिक फॉस्फेट दिल की आर्टरीज पर बुरा असर डालता है. शरीर में फॉस्फेट की मात्रा को काबू में रखने के लिए फॉस्फेट बाइंडर बहुत मदद करते हैं. वह शरीर में ही फॉस्फेट को बांधकर मल के साथ शरीर से बाहर निकाल देते हैं.

कैल्शियम - हड्डियों को हेल्दी रखने के लिए और ऑस्टियोपोरोसिस से बचने के लिए सही मात्रा में कैल्शियम लेना बहुत जरूरी है, लेकिन दुर्भाग्य कि बात है कि जिन खाद्य पदार्थों में कैल्शियम होता है उनमें प्रोटीन और फॉस्फेट भी अधिक होता है. ऐसे में कैल्शियम कि मात्रा को भी सावधानी से लेना जरूरी है. किसी भी हाल में 2000 मिलीग्राम/दिन से अधिक कैल्शियम न लें.

सोडियम - स्टेज 1 से स्टेज 3 के मरीज सोडियम की मात्रा एक दिन में 1500-2000 मिलीग्राम या चौथाई छोटा चम्मच से अधिक न लें. जो डायलिसिस पर हैं, वह 2000-2500 मिलीग्राम सोडियम प्रति दिन ले सकते हैं, मतलब आधा छोटा चम्मच के बराबर.

कुछ बातों का खास ध्यान रखें-

1. खाने को टेस्टी बनाने के लिए नींबू ,रोजमेरी , थाइम(अजवाइन), लहसुन आदि का इस्तेमाल करें.
2. लेबल देखकर ऐसी खाने की चीजें खरीदें, जिसमें सोडियम कि मात्रा 100 मिलीग्राम/सर्विंग से कम हो.
3. ऐसा खाना खाएं जिसमें नैचरल सोडियम भी कम हो.

संक्षिप्त समाचार

कश्मीर में यात्री वाहन नदी में गिरा, 11 लोगों की मौत

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में एक यात्री वाहन के नदी में गिरने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और दो अन्य



घायल हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह हादसा बृहस्पतिवार शाम उस समय हुआ, जब वाहन गिलगित से गिजर जिले की यासीन घाटी जा रहा था। समाचार पत्र डॉन की खबर के अनुसार पुलिस ने बताया कि मोरकाह पुल के पास चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा, जिसके कारण वाहन यासीन नदी में जा गिरा। बचाव दल ने दो महिलाओं सहित 10 यात्रियों के शव बरामद किए और एक बच्चे सहित तीन घायल यात्रियों को बचाया। उन्हें इलाज के लिए गुपिस सिविल अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि बाद में बच्चे की भी चोटों के कारण मौत हो गई, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हो गई। मृतक और घायल सभी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की यासीन घाटी के निवासी थे। पुलिस ने बताया कि हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। इस क्षेत्र में सड़क हादसे अक्सर होते हैं। डॉन के अनुसार, पिछले सप्ताह गिलगित से इस्लामाबाद जा रही एक यात्री बस की हजारा मोटरवे पर हवेलियन इंटरचेंज के पास एक डंपर ट्रक से टक्कर हो गई थी। इस हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई थी और 30 अन्य घायल हुए थे।

तालिबान का अघोषित फरमान: पुरुष डॉक्टर नहीं करेंगे महिलाओं का इलाज



काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान के अघोषित प्रतिबंधों ने महिलाओं के लिए बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं हासिल करना भी दूभर कर दिया है। 'द गार्जियन' और 'जान टाइम्स' की एक संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, पुरुष डॉक्टरों और दंत चिकित्सकों (डेंटिस्ट) द्वारा महिला मरीजों के इलाज पर लगी अनौपचारिक रोक ने महिलाओं को बेहद बेबस कर दिया है। इसी साल ईरान से लौटी हेरात शहर की 37 वर्षीय फरीदा (बदला हुआ नाम) का परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। जुलाई की शुरुआत में दांतों के असहनीय दर्द के कारण वह एक डेंटल क्लिनिक गईं। डॉक्टर ने डेंचर लगाने की सलाह दी और पूरा खर्च एडवांस में जमा करवा लिया। लेकिन तीसरे सेशन में, जब इम्प्लांट लगाया जाना था, उन्हें यह कहकर वापस भेज दिया गया कि अभी इलाज नहीं हो सकता, आप घर जाएं। दो दिन बाद क्लिनिक ने बताया कि पुरुष डेंटिस्ट अब महिलाओं का इलाज नहीं कर सकते। तीन महीने के बाद भी फरीदा का इलाज अधूरा है। पाबंदियों का स्तर इस हद तक पहुंच गया है कि मई में उत्तरी बल्ख प्रांत के अधिकारियों ने सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को निर्देश दिया कि महिला मरीजों को उनके असली नाम से न बुलाया जाए। यहां तक कि डॉक्टर के पर्चे पर भी महिलाओं के नाम की जगह 'बीबी' लिखने का आदेश दिया गया है। कुनार प्रांत की रहीमा (बदला हुआ नाम) बताती हैं कि उनकी एक बुजुर्ग रिश्तेदार इलाज के लिए भटकना पड़ा। पुरुष डॉक्टरों को चेतावनी दी गई है कि यदि क्लिनिक में महिला मरीज पाई गईं, तो उन्हें जेल में डाल दिया जाएगा। एक सर्जन ने कहा कि उन्हें बिना महरम (पुरुष अभिभावक) के महिला मरीजों का इलाज न करने को कहा गया है।

बेड पर खून के धब्बों से परेशान होटल मालिक

मेहमानों से वसूल रहे मोटा सफाई चार्ज

न्यूयार्क, एजेंसी। अच्छा होटल, साफ-सुथरा कमरा और आरामदायक बिस्तर... किसी भी शहर में घूमने जाने वाले शख्स की पहली पसंद यही होती है। लेकिन अमेरिका के मियामी में कुछ होटल मालिकों के लिए कमरों की सफाई और बिस्तरों को साफ रखना बड़ी चुनौती बन गया है। इसकी वजह है कॉस्मेटिक सर्जरी कराने वाले पर्यटक, खासकर ब्राजीलियन बट लिफ्ट कराने वाले मरीज। सर्जरी के बाद उनके शरीर से निकलने वाले खून और अन्य तरल पदार्थों के कारण चादरों, तकियों और गद्दों पर दाग लग रहे हैं। इससे परेशान होटल मालिकों ने अब अतिरिक्त सिक्योरिटी डिपॉजिट और सफाई शुल्क वसूलना शुरू कर दिया है। अमेरिका का मियामी शहर प्लास्टिक सर्जरी कराने वालों के बीच काफी लोकप्रिय है। यहां बड़ी संख्या में लोग अपने शरीर का आकार बदलवाने और खूबसूरत दिखने के लिए कॉस्मेटिक सर्जरी कराने पहुंचते हैं। इन्हीं प्रक्रियाओं में एक है ब्राजीलियन बट लिफ्ट यानी बीबीएल। इस सर्जरी में शरीर के दूसरे हिस्सों, जैसे पेट या जांघों से वसा निकालकर कूल्हों में इंजेक्ट की जाती है, जिससे उनका



आकार और उभार बढ़ाया जा सके। हालांकि, सर्जरी के बाद मरीजों को तुरंत सामान्य दिनचर्या में लौटना आसान नहीं होता। उन्हें कई दिनों तक आराम और विशेष देखभाल की जरूरत पड़ सकती है। इस दौरान घावों से खून और अन्य शारीरिक तरल पदार्थ निकलने की आशंका रहती है। मुश्किल तब बढ़ जाती है, जब मरीज सामान्य होटलों में ठहरते हैं। बिस्तर पर आराम करने के दौरान चादर, तकिए, कंबल और यहां तक कि गद्दे पर भी खून के दाग लग सकते हैं। होटल मालिकों के लिए इनकी सफाई और दोबारा इस्तेमाल लायक बनाना महंगा पड़ रहा है। 600 डॉलर तक सिक्योरिटी डिपॉजिट मांग रहे होटल

मियामी के एक होटल में ठहरने पहुंचे एक यात्री को उस समय हैरानी हुई, जब उससे 600 डॉलर का सिक्योरिटी डिपॉजिट मांगा गया। उसने जब इसकी वजह पूछी तो रिसेप्शन पर कथित तौर पर बताया गया कि आसपास प्लास्टिक सर्जरी कराने वाले कई लोग ठहरते हैं और उनके कमरों में खून के दाग लग जाते हैं। ऐसे में होटल को संभावित नुकसान से बचाने के लिए इतनी रकम जमा करानी पड़ती है। एक अन्य मामले में जनवरी में मियामी लेक के एक सुइट में ठहरी महिला ने ऑनलाइन शिकायत की। उसका आरोप था कि सर्जरी के बाद ठहरने की जानकारी मिलने पर होटल ने उससे सामान्य 100 डॉलर के डिपॉजिट के अतिरिक्त 500 डॉलर जमा कराने को कहा। महिला के मुताबिक, वह पहले ही 100 डॉलर जमा करा चुकी थी। इसके बावजूद होटल कर्मचारियों ने बताया कि ऑपरेशन के बाद आराम करने वाले मेहमानों के लिए प्रबंधक ने अतिरिक्त 500 डॉलर जमा कराने का नियम बनाया है।

यूएई में भीषण सड़क हादसा: ट्रक ने कई वाहनों को मारी टक्कर, 14 लोगों की मौत; मृतकों में भारतीय भी शामिल

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह अमीरात में गुरुवार आधी रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ। एक ट्रक चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और ट्रक की टक्कर पहले एक दूसरे वाहन से हुई। इसके बाद ट्रक पलट गया और सड़क पर धीमी रफ्तार से चल रहे यातायात के कारण रुके कई अन्य वाहनों से जा टकराया। इस हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी वहां के गृह मंत्रालय ने दी। गृह मंत्रालय के मुताबिक, टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक में आग लग गई। देखते ही देखते आग आसपास के कई अन्य वाहनों तक फैल गई। मंत्रालय ने बताया कि आग फैलने के कारण हादसे में जानमाल का भारी नुकसान हुआ। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, एंबुलेंस और नागरिक सुरक्षा दल मौके पर पहुंचे। राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में घायल हुए 30 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इनमें से आधे घायलों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। बाकी लोगों का इलाज अभी जारी है। अधिकारियों के मुताबिक, हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की पहचान के लिए डीएनए जांच की जा रही है। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने पुष्टि की है कि हादसे में जान गंवाने वालों में भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। दूतावास ने बताया कि उसने मृतकों के परिवारों से संपर्क किया है। साथ ही स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद और सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जा रहा है। यूएई के गृह मंत्रालय के अनुसार, मृतकों की पहचान के लिए डीएनए जांच का सहारा लिया जा रहा है।

मौत का डर नहीं: धमकियों के बीच बांग्लादेश लौटना चाहती हैं शेख हसीना, बोलीं- अपनी मिट्टी में मरना पसंद करूंगी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि गिरफ्तारी, जेल या जान जाने का खतरा उन्हें ढाका लौटने से नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि अपने लोगों से दूर रहने के बजाय,



वह अपनी मातृभूमि में मरना ज्यादा पसंद करेंगी। आईएएनएस को दिए एक विशेष ऑडियो इंटरव्यू में हसीना ने कहा कि जो उन्हें सही लगता है, उसे करने से उन्हें कभी डर नहीं रोक पाया। उन्होंने याद दिलाया कि पहले भी राजनीतिक अनिश्चितता और अपनी सुरक्षा को लेकर खतरों के बावजूद वह बांग्लादेश लौट चुकी हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'देखिए, मैं खतरों को अच्छी तरह समझती हूं। हो सकता है कि पहुंचते ही मुझे गिरफ्तार कर लिया जाए। वे मुझे जेल भेज सकते हैं। यहां तक कि वे मुझे मारने की कोशिश भी कर सकते हैं। मैंने इन सभी संभावनाओं के बारे में सोच लिया है। लेकिन, आपको पता है, मैंने बहुत पहले ही अपनी निजी सुरक्षा की चिंता करना छोड़ दिया था। 1981 में सैन्य शासन के बावजूद मैं बांग्लादेश लौटी थी। फिर 2007 में भी मैं लौटी, जबकि मुझे पता था कि सेना समर्थित सरकार मुझे गिरफ्तार कर सकती है। मैंने जेल का सामना किया है और मेरी जान लेने की कई बार कोशिशें भी हुई हैं। जो मुझे सही लगता है, उसे करने से मुझे कभी डर नहीं रोक पाया।' बांग्लादेश के बिगड़ते हालात पर गहरी चिंता जताते हुए हसीना ने कहा कि देश एक बेहद कठिन दौर से गुजर रहा है। उनकी पार्टी अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है, आम लोग परेशान हैं और कई परिवारों के घर तथा आजीविका छिन गई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बांग्लादेश के लोगों ने जो मुश्किलें झेली हैं, उन्होंने उनके लौटने और लोगों के साथ खड़े होने के संकल्प को और मजबूत किया है, भले ही इससे उनकी जान को खतरा क्यों न हो। वहीं, बांग्लादेश में हो रहे विरोध प्रदर्शनों पर हसीना ने कहा, 'आज मेरा देश एक बहुत ही बुरे दौर से गुजर रहा है। हमारे नेताओं और कार्यकर्ताओं को सताया जा रहा है। आम लोग तकलीफ झेल रहे हैं और परिवारों के घर और रोजी-रोटी छिन रही है। जब मेरे लोग इतनी मुश्किलें झेल रहे हैं, तो मैं उनसे दूर कैसे रह सकती हूं? मैंने अपना पूरा राजनीतिक जीवन बांग्लादेश के लोगों के साथ बिताया है। मेरे साथ चाहे जो भी हो, मैं उनके साथ खड़ी रहना चाहती हूं। अगर मुझे मरना ही है, तो मैं अपने ही देश की मिट्टी पर, अपने ही लोगों के बीच मरना पसंद करूंगी।'

एलिस हुआंग चीनी जासूस हैं या नहीं: अब तक तय नहीं कर पाया अमेरिकी न्याय विभाग

वॉशिंगटन, एजेंसी। एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेनसन हुआंग से कथित संबंधों को लेकर चर्चा में आईं एलिस हुआंग के चीनी जासूस होने के आरोपों पर अमेरिकी न्याय विभाग ने अब तक कोई निष्कर्ष नहीं निकाला है। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश ने गुरुवार को कहा कि जांच में अभी यह स्थापित नहीं हुआ है कि एलिस चीनी खुफिया एजेंसी के लिए काम कर रही थीं या नहीं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ब्लांश से एलिस हुआंग पर लगे चीनी जासूस होने के आरोपों को लेकर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसा कोई दावा नहीं किया है। ब्लांश ने कहा कि न्याय विभाग, वह खुद या एफबीआई निदेशक काश पटेल ने एलिस हुआंग की भूमिका को लेकर कोई निष्कर्ष नहीं निकाला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी यह तय नहीं हुआ है कि एलिस चीनी सरकार की ओर से काम कर रही थीं या नहीं। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल ने बताया कि न्याय विभाग सिंगापुर की डेटा कंपनी मेगास्पीड की गतिविधियों की जांच कर रहा है। यह जांच अमेरिकी वाणिज्य विभाग के साथ मिलकर की जा रही है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि कंपनी एनवीडिया के एडवांस चिप खरीदकर उन्हें आगे चीन भेज रही थी। ब्लांश ने कहा कि उन्हें इस मामले की जांच करने की वाणिज्य विभाग की क्षमता को लेकर कोई चिंता नहीं है। एलिस हुआंग सिंगापुर स्थित मेगास्पीड से जुड़ी एक कारोबारी हैं। इससे पहले आई रिपोर्टों में दावा किया गया था कि चीनी खुफिया एजेंसियों से संभावित संबंधों के कारण अमेरिकी खुफिया एजेंसियां उन पर नजर रख रही थीं। हालांकि, अमेरिकी अटॉर्नी जनरल के ताजा बयान से साफ है कि इन आरोपों की अभी पुष्टि नहीं हुई है।



मैं बहुत घटिया इंसान हूं: इस्तीफे से पहले जेनसन नेकही थी ये बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। दुनिया की दिग्गज चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया के संस्थापक और सीईओ जेनसन हुआंग को आखिरकार अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। निजी संबंधों को लेकर सामने आए आरोपों के बीच कंपनी के बोर्ड ने बुधवार देर रात हुई बैठक में उन्हें पद छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, इस्तीफे से पहले हुआंग ने खुद को बेहद निराश बताया और कहा कि उन्हें अब अपने भविष्य की चिंता नहीं है। रिपोर्ट में घटनाक्रम से परिचित एक व्यक्ति के

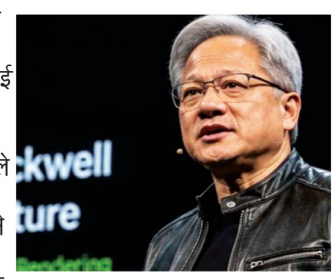

हवाले से बताया गया है कि कई हफ्तों तक आरोपों का खंडन करने और पद पर बने रहने की कोशिश के बाद बुधवार रात हुआंग ने हार मान ली। कंपनी में उनके काम करने का तरीका भी बदल गया था। वह पहले की तरह फैसले लेने और हर चीज पर नजर रखने के बजाय अब 'जो भी हो' और 'मुझे परवाह नहीं' जैसे वाक्य कहने लगे थे। रिपोर्ट के मुताबिक, हाल के दिनों में उनसे बात करने वाले लोगों ने बताया कि जेनसन हुआंग खुद को लेकर काफी कठोर टिप्पणियां कर रहे हैं। उन्होंने कथित तौर पर खुद को 'बहुत घटिया इंसान' कहा। उनका कहना है कि अब उन्हें अपने साथ क्या होगा, इसकी परवाह नहीं है। उनकी मुख्य चिंता अपनी पत्नी को लेकर है। साथ ही वह नहीं चाहते कि सार्वजनिक रूप से उनसे जोड़ी जा रही महिलाओं की जिंदगी भी प्रभावित हो। अक्तूबर के आखिर में खबरें सामने आई थीं कि हुआंग के चीन की कथित जासूस एलिस हुआंग से करीबी संबंध थे। बोर्ड में लंबे समय से कंपनी से जुड़े निवेशक, कारोबारी साझेदार और हुआंग के करीबी लोग शामिल थे। हुआंग ने अपने दोस्तों और सहयोगियों से कहा था कि उन्होंने अपनी पत्नी के साथ बेवफाई नहीं की है। कंपनी के भीतर भी 2025 के आखिर से उनसे इस बारे में सवाल किए जा रहे थे। सीईओ के तौर पर दिए गए अपने आखिरी इंटरव्यू में उन्होंने ब्लूमबर्ग से कहा था कि एलिस हुआंग के साथ उनके संबंध चीन के ग्राहकों और अधिकारियों के साथ सामान्य कारोबारी रिश्तों जैसे थे। हालांकि, 6 नवंबर को फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दावा किया गया कि दोनों के बीच रोमांटिक संबंध थे।

आसमान में फिर हड़कंप; मेरे पास बम है... चिल्लाते हुए कॉकपिट में घुसा यात्री, पायलट ने भेजा हाईजैक अलर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में हवाई यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देने वाली एक गंभीर घटना सामने आई है। न्यू जर्सी के नेवार्क से लुइसियाना जा रही यूनाइटेड एयरलाइंस की फ्लाइट में एक यात्री ने कथित तौर पर बम होने की धमकी दी और कॉकपिट में जबरन घुसने की कोशिश की। घटना के बाद विमान में अफरा-तफरी मच गई। अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी (आईसीई) के अनुसार, इस घटना के चलते हाईजैक अलर्ट जारी किया गया। विमान के सुरक्षित उतरने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

उड़ते विमान में दी बम की धमकी: फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, यूनाइटेड एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या 2174 सोमवार रात न्यू जर्सी के नेवार्क से न्यू ऑरलियन्स जा रही थी। इसी दौरान यात्री रोनी अलेक्जेंडर गोमेज-अल्बर्टो ने कथित तौर पर विमान में बम होने का दावा किया और कॉकपिट की ओर जबरन घुसने की कोशिश की। विमान में उस समय 46 यात्री और चालक दल के छह सदस्य मौजूद थे। आरोपी की इस हरकत के बाद विमान की सुरक्षा को लेकर गंभीर स्थिति पैदा हो गई। यात्री की कथित हरकत के कारण हाईजैक अलर्ट जारी हुआ। हालांकि, विमान के पायलटों ने औपचारिक रूप से हाईजैक घोषित किया था या नहीं, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यूनाइटेड एयरलाइंस ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि विमान में एक यात्री ने बाधा उत्पन्न करने वाली हरकत की थी। हालांकि, विमान सुरक्षित रूप से न्यू ऑरलियन्स के लुइस आर्मस्ट्रांग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतर गया। वहां स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के



अधिकारी पहले से मौजूद थे। विमान के गेट पर पहुंचते ही पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। उसके खिलाफ आतंकित करने और आगजनी की योजना के बारे में झूठी जानकारी देने के आरोप लगाए गए हैं। प्रत्येक मामले में 5 लाख डॉलर का बांड निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, उसे भगोड़े के रूप में भी हिरासत में रखा गया है, जिसके लिए कोई जमानत राशि निर्धारित नहीं की गई है। गिरफ्तारी के बाद आईसीई ने आरोपी के खिलाफ हिरासत संबंधी औपचारिक आदेश भी जारी किया।

दो बार अमेरिका से निकाला जा चुका आरोपी: अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग के मुताबिक, आरोपी गोमेज-अल्बर्टो होंडुरास का नागरिक है। उसका पहले भी आपराधिक गतिविधियों से जुड़ा रिकॉर्ड रहा है। इसमें बम की धमकी देने, आतंकित करने की धमकी देने और सार्वजनिक अव्यवस्था फैलाने जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी का आव्रजन नियमों के उल्लंघन का भी लंबा इतिहास रहा है। उसे दो अलग-अलग मौकों पर अमेरिका से निर्वासित किया जा चुका है और तीन बार गिरफ्तार किया गया है। इसके बावजूद जनवरी 2020 में एक आव्रजन न्यायाधीश ने उसे आगे की निर्वासन प्रक्रिया पूरी होने तक आईसीई की हिरासत से रिहा करने का आदेश दिया था।

इस घटना के पीछे आरोपी का मकसद क्या था, अधिकारियों ने अभी तक इसका खुलासा नहीं किया है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि उसका न्यू ऑरलियन्स से कोई संबंध था या वह किसी विशेष उद्देश्य से वहां जा रहा था। जांच एजेंसियों ने यह भी नहीं बताया है कि आरोपी कॉकपिट का दरवाजा खोलने में सफल हुआ था या नहीं और विमान में मौजूद यात्रियों तथा चालक दल के सदस्यों ने किस तरह स्थिति को संभाला। घटना में किसी के घायल होने की भी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

इंसानी दिमाग से भी तेज निकले कौवे... पलक झपकते ही कर लेते हैं सही-गलत का फैसला- वैज्ञानिकों की रिसर्च ने चौंकाया

टूबिंगन , एजेंसी। साइंसडेली वेबसाइट पर प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, यूनिवर्सिटी ऑफ टूबिंगन के शोधकर्ताओं ने पाया है कि कौवे इंसानों और बंदरों की तुलना में दोगुनी तेजी से विजुअल (दृश्य) फैसले ले सकते हैं। वे चलते हुए बिंदुओं की दिशा पहचानने में औसतन केवल 235 मिलीसेकंड का समय लेते हैं और साथ ही बेहद सटीक भी रहते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ टूबिंगन के नए शोध के अनुसार, कौवे इंसानों और बंदरों की तुलना में दोगुनी तेजी से विजुअल फैसले ले सकते हैं। दो कौवों पर किए गए प्रयोगों में, इन पक्षियों को यह तय करने में औसतन केवल 235 मिलीसेकंड लगे कि चलते हुए बिंदुओं का पैटर्न किस दिशा में जा रहा है, और उन्होंने अपनी पसंद के अनुसार प्रतिक्रिया दी। अपनी इस तेज़ गति के बावजूद, उनके फैसले बेहद सटीक रहे।

साइंस जर्नल में प्रकाशित ये निष्कर्ष इस बात पर नई रोशनी डालते हैं कि पक्षियों का दिमाग किस तरह जानकारी प्रोसेस करता है और फैसले लेता है। शोध पत्र के अनुसार, यूनिवर्सिटी ऑफ टूबिंगन के इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोबायोलॉजी के शोधकर्ता फिलिप श्मिडबाउर और प्रोफेसर एंड्रियास नीदर ने पाया कि कौवों की तेज़ प्रतिक्रियाओं के साथ-साथ उनके मस्तिष्क की कोशिकाओं में भी काफी सक्रियता देखी गई।

कौवे बेहद सटीक तरीके से और बहुत तेज़ी से फैसले लेते हैं

पक्षियों की निर्णय लेने की क्षमता को परखने के लिए, शोधकर्ताओं ने उन्हें एक टचस्क्रीन पर चलते हुए बिंदु दिखाए। कौवों को यह तय करना था कि ज़्यादातर बिंदु बाईं ओर जा रहे हैं या दाईं ओर, और फिर स्क्रीन के उसी तरफ बने एक टारगेट पर चोंच मारकर अपना जवाब देना था। इन पक्षियों का प्रदर्शन बहुत शानदार रहा, भले ही बिंदुओं के चलने की दिशा को पहचानना मुश्किल था। साइंसडेली वेबसाइट के अनुसार, फिलिप श्मिडबाउर बताते हैं, जब गति के पैटर्न को पहचानना मुश्किल था, तब भी कौवों के फैसले रैंडम (यादृच्छिक) विकल्पों की तुलना में कहीं बेहतर थे। और जब संकेत स्पष्ट थे, तो उन्होंने लगभग 100 प्रतिशत सटीकता हासिल की। परिणामों से पता चला कि कौवे एक सेकंड के बहुत छोटे हिस्से में विजुअल जानकारी का आकलन कर सकते हैं और सटीक फैसले ले सकते हैं। उनका दिमाग यह काम कैसे करता है, इसे समझने के लिए शोधकर्ताओं ने पक्षियों के काम पूरा करते समय उनके अलग-अलग न्यूरॉन्स की गतिविधि की जांच की। कौवों का दिमाग केवल 70 मिलीसेकंड में फैसले लेने की प्रक्रिया शुरू कर देता है शोधकर्ताओं की टीम ने पक्षी के दिमाग के निडोपालियम कॉडोलेटरल (ठ्ठद्बस्रश्शद्बड्डद्य-द्यद्बह्लद्ब ष्ड्डह्लस्रश्शद्यड्डह्लद्दह्लड्डद्यद्द) नामक हिस्से में न्यूरल गतिविधि को रिकॉर्ड किया। यह हिस्सा जानकारी को प्रोसेस करने और निर्णय लेने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, ठीक उसी तरह जैसे इंसानी दिमाग में प्रीफ्रंटल



कॉर्टेक्स काम करता है। रिकॉर्डिंग से पता चला कि कौवों का दिमाग लगभग तुरंत ही दो संभावित दिशाओं के बीच अंतर करने लगा। हिलते हुए बिंदुओं के दिखाई देने के महज 70 मिलीसेकंड बाद ही, अलग-अलग विकल्पों से जुड़े न्यूरॉन्स में गतिविधि के स्पष्ट पैटर्न दिखने लगे। ये संकेत पक्षियों के शारीरिक रूप से प्रतिक्रिया देने से काफी पहले ही सामने आ गए। जैसे-जैसे कौवे हिलते हुए बिंदुओं का आकलन करते गए, न्यूरल गतिविधि लगातार बढ़ती गई, यहाँ तक कि वह उस स्तर तक पहुँच गई जहाँ निर्णय लिया जाता है। यह गतिविधि दर्शाती थी कि बिंदु कितनी स्पष्ट रूप से किसी विशेष दिशा की ओर इशारा कर रहे थे और अंततः पक्षी ने किस दिशा को चुना। सबसे दिलचस्प खोजों में से एक यह है कि कौवे इंसानों और अन्य प्राइमेट्स (जैसे बंदर, चिंपैंजी आदि) के समान ही न्यूरल प्रक्रियाओं का उपयोग करके निर्णय लेते हैं, भले ही उनके दिमाग की संरचना बहुत अलग हो। साइंसडेली वेबसाइट के अनुसार, एंड्रियास नीदर कहते हैं, ये निष्कर्ष बताते हैं कि पक्षियों के दिमाग में न्यूरोनल गतिविधियाँ, इंसानों और अन्य प्राइमेट्स में निर्णय लेने के स्थापित मॉडलों के अनुरूप ही होती हैं। स्तनधारियों (मैमल्स) के विपरीत, पक्षियों के दिमाग में सेरेब्रल कॉर्टेक्स परतों में व्यवस्थित नहीं होता है। आकलन करने और निर्णय लेने के लिए उन्हीं बुनियादी सिद्धांतों का पालन करने में सक्षम है। इस विजुअल टास्क (दृश्य कार्य) में, कौवों ने प्राइमेट्स की तुलना में दोगुनी तेज़ी से यह प्रक्रिया पूरी कर ली। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह असाधारण गति उन ज़रूरतों को दर्शाती है जिनका सामना पक्षियों ने अपने विकास (इवोल्यूशन) के दौरान किया है।

भारत ने नौवां अंडर-19 एशिया कप खिताब जीता

भारत ने पाकिस्तान के मुंह से छीना मैच

अल अमीरात। पाकिस्तान जीत के करीब था, भारत की उम्मीदें लगभग टूट चुकी थीं। 338 रन जैसे लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम इंडिया 252 रन पर 8 विकेट गंवा चुकी थी। पाकिस्तान को खिताब बचाने के लिए 51 बॉल पर सिर्फ 2 विकेट चाहिए थे, लेकिन तभी मोहित उल्वा ने ऐसी पारी खेली, जिसने फाइनल का पूरा नतीजा बदल दिया।

नंबर-10 पर बल्लेबाजी करने आए मोहित ने सिर्फ 26 गेंदों पर नाबाद 49 रन ठोक दिए। आखिरी ओवर में भारत को 8 रन चाहिए थे और हाथ में सिर्फ एक विकेट था। आखिरी गेंद पर जीत के लिए 3 रन की जरूरत थी। मोहित ने गेंद को बाउंड्री के पार पहुंचाकर भारत को एक विकेट से चैंपियन बना दिया।

अल अमीरात में इस जीत के साथ भारत ने नौवीं बार अंडर-19 एशिया कप का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले कप्तान लक्ष्य रायचंदानी के 80 और आर्यवीर सहवाग के 58 रन बनाए थे। इसके बाद मोहित ने मानल चौहान के साथ 57 रन की साझेदारी कर उम्मीद जगाई। मानल के आउट होने के बाद चिगुरुपति वेंकट के साथ मोहित ने आखिरी विकेट के लिए 30 रन जोड़कर भारत को जीत दिला दी।

मनल के बाद चिगुरुपति वेंकटा ने मोहित उल्वा के साथ आखिरी जोड़ी के रूप में बल्लेबाजी के लिए आए। दोनों ने निर्णायक क्षणों में धैर्य नहीं खोया। इनिंग की आखिरी ओवर में जीत के लिए भारत को 3 रन चाहिए थे, लेकिन मोहित उल्वा ने चौका जड़कर भारत को पाकिस्तान पर जीत दिला दी।

काव्या पटेल के बाद मनल चौहान ने पाकिस्तानी गेंदबाजों के सामने संघर्ष दिखाया। उन्होंने मोहित उल्वा के साथ मिलकर 9वें विकेट के लिए 35 गेंदों में 57 रन की साझेदारी कर टीम को ना सिर्फ मजबूती प्रदान की बल्कि टीम की ने निर्णायक क्षणों में धैर्य नहीं खोया। इनिंग की आखिरी ओवर में जीत के लिए भारत को 3 रन चाहिए थे, लेकिन मोहित उल्वा ने चौका जड़कर भारत को पाकिस्तान पर जीत दिला दी।



लक्ष्य और आर्यवीर ने ठोके अर्धशतक

पाकिस्तान की अंडर-19 टीम से मिले लक्ष्य 338 रनों के लक्ष्य का पीछा करने लक्ष्य रायचंदानी और आर्यवीर सहवाग की भारतीय ओपनिंग जोड़ी उतरी। दोनों बल्लेबाजों ने कमाल की बल्लेबाजी की। दोनों बल्लेबाजों ने पाकिस्तानी गेंदबाजों को खूब छकाया और पहले विकेट के लिए 95 रनों की साझेदारी की। भारत को पहला झटका आर्यवीर सहवाग के रूप में लगा। वह 17.4 ओवर में 58 रन बनाकर आउट हुए। इसके लिए उन्होंने 61 गेंदें खेली। आर्यवीर सहवाग ने अर्धशतकीय पारी के दौरान 9 चौके लगाए।



वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने पाकिस्तान के खिलाफ ठोका अर्धशतक, तोड़ा यशस्वी जायसवाल का रिकॉर्ड

आर्यवीर के आउट होने के बाद वीके विनीत बल्लेबाजी के लिए आए। उन्होंने कप्तान लक्ष्य रायचंदानी के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 53 गेंद में 51 रनों की पार्टनरशिप की। हालांकि वीके विनीत बड़ी पारी नहीं खेल सके। वह 21 गेंद में 24 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद अर्जुन राजपूत (16 रन), यशवर्धन चौहान (9 रन) और अयान सावसानी (9) रन बनाकर चलते बने। काव्या पटेल तो बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए।

पाकिस्तान से हिसाब बराबर, भारत ने 9वीं बार जीती अंडर-19 एशिया कप की ट्रॉफी

-19 एसिया कप 2026 का फाइनल भारत और पाकिस्तान के बीच खेला गया। इस मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। इस मुकाबले में पाकिस्तान की ओर से उस्मान खान ने शानदार शतक लगाया, जबकि भारत की ओर से कप्तान लक्ष्य रायचंदानी और आर्यवीर सहवाग ने अर्धशतक लगाए। अंडर-19 एशिया कप 2026 का फाइनल मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 1 विकेट से हराया और 9वीं बार अंडर-19 एशिया कप ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है। पाकिस्तान ने निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट पर 337 रन बनाए थे। जवाब में भारत ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 339 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

मोहित उल्वा ने चौका जड़कर दिलाई जीत

काव्या पटेल के बाद मनल चौहान ने पाकिस्तानी गेंदबाजों के सामने संघर्ष दिखाया। उन्होंने मोहित उल्वा के साथ मिलकर 9वें विकेट के लिए 35 गेंदों में 57 रन की साझेदारी कर टीम को ना सिर्फ मजबूती प्रदान की बल्कि टीम की उम्मीदों को भी जिंदा रखा। हालांकि मनल चौहान 32 गेंद में 47 रन बनाकर आउट हो गए। मनल चौहान ने इस छोटी लेकिन महत्वपूर्ण पारी के दौरान 3 चौके और 3 छक्के लगाए।

करारी हार के बाद आज वापसी को बेताब भारतीय फुटबॉल टीम

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली मुकाबले में 5-0 से करारी शिकस्त झेलने के बाद भारतीय फुटबॉल टीम रविवार को वापसी के इरादे से मैदान पर उतरेगी। दोनों टीमों के बीच दो मैचों की सीरीज का यह दूसरा और आखिरी मुकाबला क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। मुख्य कोच खालिद जमील ने खिलाड़ियों से अपनी गलतियों को सुधारने और इस निर्णायक मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन करने की अपील की है। ऑकलैंड में मिली करारी हार को पीछे छोड़कर ब्लू टाइगर्स अब अपनी साख बचाने की कोशिश करेगी। पहले मैच में फीफा रैंकिंग में 88वें स्थान पर काबिज न्यूजीलैंड ने भारत को पूरी तरह पस्त किया था। उस मुकाबले में भारतीय डिफेंस काफी कमजोर नजर आया और टीम विपक्षी हमलों को रोकने में पूरी तरह नाकाम रही। अब टीम के सामने अपनी गलतियों को सुधारकर पलटवार करने की बड़ी चुनौती होगी। मुख्य कोच जमील ने मैच के नतीजे पर निराशा जाहिर की, लेकिन खिलाड़ियों के रवैये की सराहना की। उन्होंने कहा, परिणाम हमारी उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, लेकिन खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर रहे हैं। उनका रवैया काफी अच्छा रहा है। हमें अपनी गलतियों को सुधारना होगा और वापसी करनी होगी। अगले मुकाबले में हर खिलाड़ी को जिम्मेदारी लेते हुए अपना सब कुछ देना होगा।

जापान मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन

अल्वी फरहान को 3 गेम में हराया; सीजन के दूसरे खिताब से एक जीत दूर

भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को कुमामोटो प्रीफेक्चुरल जिम्नेजियम में खेले गए सेमीफाइनल में लक्ष्य ने इंडोनेशिया के अल्वी फरहान को 21-12, 15-21, 21-11 से हराया। तीन गेम तक चले इस मुकाबले को जीतने में लक्ष्य को एक घंटा 9 मिनट का समय लगा। अब वे खिताब से एक जीत दूर हैं। फाइनल में उनका सामना कोकी वातानाबे या पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 कुनलावुत वितिदसार्न से होगा।

पहला और तीसरा गेम जीतकर फाइनल में पहुंचे लक्ष्य ने पहले गेम में शानदार शुरुआत की और 21-12 से जीत दर्ज की। दूसरे गेम में अल्वी फरहान ने वापसी करते हुए 21-15 से गेम अपने नाम किया।



इसके बाद निर्णायक गेम में लक्ष्य ने आक्रामक खेल दिखाया और 21-11 से जीत हासिल कर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया। हाइलो ओपन जीतकर खत्म किया था खिताब का सूखा

जापान मास्टर्स से पहले लक्ष्य ने जर्मनी में हाइलो ओपन का खिताब जीता था। फाइनल में उन्होंने इंडोनेशिया के डिफेंडिंग चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी को 21-17, 21-10 से हराया था। यह इस सीजन का उनका पहला और करियर का सातवां सुपर 500 खिताब था। अब जापान मास्टर्स में भी वे उसी लय को बरकरार रखे हुए हैं।

शुरुआती तीन राउंड सीधे गेमों में जीते

लक्ष्य ने जापान मास्टर्स में अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-19, 21-18 से हराकर की थी। दूसरे राउंड में उन्होंने चीन के डोंग तियान याओ को 21-8, 21-14 से हराया। यह मुकाबला 35 मिनट चला था। क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य ने जापान के युशी तनाका को 21-16, 21-15 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। यह मुकाबला 39 मिनट से कम समय में खत्म हुआ था।

मप्र राज्य रैंकिंग टेनिस : आरूष, अरनव और शौर्य क्वालीफाइंग के अंतिम दौर में

इंदौर। मध्य प्रदेश टेनिस संघ के तत्वावधान में इंदौर टेनिस क्लब द्वारा आयोजित और साहिल ग्रुप प्रायोजित तृतीय मध्य प्रदेश राज्य स्तरीय रैंकिंग टेनिस टूर्नामेंट में शनिवार को क्वालीफाइंग मुकाबलों में खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। आरूष कुलवाल, अरनव खंडेलवाल और शौर्य माखीजा ने अपने-अपने वर्ग में जीत दर्ज कर अंतिम क्वालीफाइंग दौर में प्रवेश किया। बालक वर्ग के 14 वर्ष आयु वर्ग में आरूष कुलवाल ने अयान समवतसर को 6-3 से और शौर्य माखीजा ने भव्या चौधरी को 6-1 से हराया। इसी वर्ग में ईशान दंडीर ने आरव शिंदे को 6-0 से, जबकि हिरदान डागा ने अनुकल्प यादव को 6-1 से पराजित किया। पुरुष एकल के क्वालीफाइंग मुकाबलों में अरनव खंडेलवाल ने निहाल खान को 7-0 से एकतरफा शिकस्त दी। अहान गनात्रा ने नितिन जैन को 7-1 से, मोहम्मद आरिज खान ने युग जैन को 7-3 से और यश कैथवास ने आशीष शर्मा को 7-0 से हराया। बालक वर्ग के 12 वर्ष आयु वर्ग में मोहम्मद असद ने प्रियांश वर्मा को 5-1 से, रुद्र अग्रवाल ने देवोम शर्मा को 5-3 से, मेधांश मारपाका ने हितकृत रांका को 5-4 से और अयांश जायसवाल ने प्रांजल तिवारी को 5-3 से पराजित किया।



मनिका-श्रीजा ने नॉकआउट में बनाई जगह, साथियान भी जीते

फगवाड़ा । भारत की शीर्ष टेबल टेनिस खिलाड़ियों मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला ने तीसरी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप के पहले दिन शनिवार को अपने शानदार प्रदर्शन से स्टेज-2 के नॉकआउट दौर में जगह बना ली। दोनों पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन ने अपने-अपने ग्रुप मुकाबले 3-0 से जीते। पुरुष वर्ग में जी. साथियान ने भी क्वालीफाइंग में शुरुआती दोनों मुकाबले जीतकर अच्छा प्रदर्शन किया। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के शांति देवी मित्तल इंडोर स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता में महिला वर्ग की शीर्ष 16 वरीय खिलाड़ियों को मुख्य ड्रॉ में सीधे प्रवेश मिला है। मनिका और श्रीजा को क्वालीफाइंग दौर से आगे बढ़ना पड़ा। विश्व रैंकिंग में लंबे समय तक शीर्ष-50 में रह चुकीं दोनों खिलाड़ियों ने अपने अनुभव का परिचय दिया। ग्रुप-69 में मनिका ने मोनोलिपी सिंघा को 3-0 से हराया, जबकि ग्रुप-1 में श्रीजा ने भूमिका सहूकार को इसी अंतर से पराजित किया। महिला वर्ग के अन्य मुकाबलों में कई खिलाड़ियों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। ग्रुप-15 में अहाना सेनगुप्ता को एफसीआई की वंशिका मुगदल ने 3-2 से हराया। हालांकि, अहाना ने वापसी करते हुए रंजिनी साहा को 3-2 से शिकस्त दी। ग्रुप-19 में हिया सिंह को नैशा रेवास्कर के खिलाफ 2-3 से हार मिली, लेकिन उन्होंने अगले मुकाबले में संचारी चक्रवर्ती को 3-1 से हराया। ग्रुप-20 में शनिका शाहिद ने नित्याश्री मणि से 1-3 से हारने के बाद सान्या सहगल को 3-2 से पराजित किया।



एलिना स्वितोलिना ने सबालेंका को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

लंदन । डब्ल्यूटीए फाइनल में रोमांचक और नाटकीय मुकाबले में, यूक्रेनी अनुभवी खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने दुनिया की शीर्ष खिलाड़ियों में शुमार आर्यना सबालेंका को तीन सेटों में मात देकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की है। इस अप्रत्याशित जीत ने टूर्नामेंट में एक बड़ा उलटफेर किया, जबकि दूसरी ओर, अमेरिकी युवा स्टार कोको गॉफ का सफर दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से समाप्त हो गया। दो मैच जीतने के बावजूद, गॉफ सेट प्रतिशत के आधार पर सेमीफाइनल में पहुंचने से चूक गईं, जो उनके लिए एक बड़ी निराशा रही। स्वितोलिना ने सबालेंका को हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। उन्होंने चौथे मैच प्वाइंट पर मुकाबला अपने नाम किया, जो उनके संघर्ष और दृढ़ संकल्प को दिखाता है। यह जीत स्वितोलिना के लिए छह साल के लंबे इंतजार के बाद सबालेंका के खिलाफ पहली सफलता थी, और दोनों के बीच हुए आठ मुकाबलों में यह उनकी केवल दूसरी जीत है। हार के बाद, पिछले साल की उपविजेता आर्यना सबालेंका बेहद निराश नजर आईं। मैच के दौरान वह कई बार खुद से बात करती और अपनी हताशा व्यक्त करती दिखीं। अपनी हार के बाद, उन्होंने मीडिया से बातचीत करने से इंकार कर दिया। अब सेमीफाइनल में एलिना का सामना विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा से होगा। स्वितोलिना ने चार साल पहले मां बनने के बाद टेनिस में शानदार वापसी करते हुए अपनी पहचान फिर से स्थापित की है। उन्होंने कहा है कि वह अपनी बेटी को टूर्नामेंट जीतते हुए देखना चाहती हैं, जो उनकी प्रेरणा का एक मजबूत स्रोत है। उनकी नजरें एक बार फिर डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब जीतने पर होंगी।





सेनेगल के डकार में आयोजित यूथ ओलंपिक खेलों के दौरान बीच हैंडबॉल पुरुष सेमीफाइनल मुकाबले में गोल करने के लिए निशाना लगाते ब्राजील के खिलाड़ी लुइज फरेरा। मुकाबला ब्राजील और हंगरी के बीच खेला गया।

शतरंज: मैग्नस कार्लसन 15 साल बाद गंवा सकते हैं नंबर 1 का ताज

कारुआना ने किस तरह बढ़ाई मुश्किलें

नईदिल्ली। नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कार्लसन पर नंबर एक रैंकिंग का ताज गंवाने का खतरा मंडरा रहा है। फाबियानो कारुआना ने कार्लसन से फासला कम कर लिया है। पांच बार के विश्व शतरंज चैंपियन मैग्नस कार्लसन को टोटल चेस विश्व चैंपियनशिप टूर पायलट के फास्ट क्लासिकल मुकाबले के तीसरे दिन आर्मेनिया के हाइक मार्टिरोस्यान के हाथों हार का सामना करना पड़ा जिससे विश्व नंबर एक खिलाड़ी की उनकी 15 साल से बरकरार बादशाहत खतरे में पड़ गई है। 35 वर्षीय नॉर्वे के ग्रैंडमास्टर कार्लसन जुलाई 2011 से विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर काबिज हैं। हालांकि फास्ट क्लासिकल वर्ग में पांच मुकाबले ड्रॉ खेलने और एक हार झेलने के बाद उन्होंने 15.8 रेटिंग अंक गंवा दिए हैं और लाइव रेटिंग में उनके 2807.2 अंक रह गए हैं।



कार्लसन के करीब पहुंचे कारुआना

शानदार फॉर्म में चल रहे अमेरिका के फाबियानो कारुआना तेजी से कार्लसन के करीब पहुंच रहे हैं। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर ने पांच जीत और दो ड्रॉ के साथ 17 रेटिंग अंक हासिल किए हैं। उनके अब 2800 अंक हो गए हैं और वह कार्लसन से केवल 7.2 अंक पीछे हैं। लाइव रेटिंग में वास्तविक समय के आधार पर बदलाव होता है, जबकि अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) हर महीने आधिकारिक रेटिंग भी जारी करता है।

मार्टिरोस्यान ने पहली बार किसी क्लासिकल फिडे रेटेड मुकाबले में कार्लसन का सामना किया और सफेद मोहरों से खेलते हुए पहले गेम में उन्हें 41 चाल में हरा दिया। हालांकि दोनों ग्रैंडमास्टर के बीच दूसरी बाजी ड्रॉ रही। एक जीत और एक ड्रॉ के साथ मार्टिरोस्यान के 10 अंक हो गए हैं और उन्होंने ग्रुप सी में एकल बढ़त बना ली है। कार्लसन खिसककर पांचवें स्थान पर आ गए हैं।

भारतीय खिलाड़ियों का कैसा रहा प्रदर्शन

प्रत्येक ग्रुप के शीर्ष चार खिलाड़ी खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे जबकि बाकी खिलाड़ी क्लासीफिकेशन मुकाबलों में हिस्सा लेंगे। भारत के अर्जुन एरिगेसी ने अमेरिका के वेस्ली सो के खिलाफ एक जीत दर्ज की और एक बाजी ड्रॉ कराई। पहले मुकाबले में भारतीय ग्रैंडमास्टर दबाव में थे, लेकिन जीत की स्थिति में दिख रहे सो ने ड्रॉ का प्रस्ताव ठुकरा दिया। इसके बाद उनसे बड़ी गलती हुई और अगली ही चाल में उन्होंने हार स्वीकार कर ली।

23 वर्षीय एरिगेसी ग्रुप डी में तीसरे स्थान पर हैं। उनसे आगे मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और हेन्स नीमन हैं। भारत की आर वैशाली ने टूर्नामेंट के फास्ट क्लासिकल वर्ग में पहली जीत दर्ज की। अगले साल चीन की जू वेनजुन को महिला विश्व चैंपियनशिप खिताब के लिए चुनौती देने वाली वैशाली ने सफेद मोहरों से खेलते हुए कजाखस्तान की ग्रैंडमास्टर बिबिसारा असौबायेवा को हराया। वैशाली दिन की पहली बाजी में बिबिसारा से हार गई थीं। वह ग्रुप डी में अंतिम स्थान पर हैं। वैशाली के भाई आर प्रज्ञानंद का जीत का इंतजार जारी रहा। उन्होंने व्लादिस्लाव आर्टेमिएव के खिलाफ दोनों मुकाबले ड्रॉ खेले। भारतीय खिलाड़ी के अब चार अंक हैं।

नई दिल्ली के राजौरी गार्डन में ट्रेस ट्रेंड्स के चौथे यूनिसेक्स सैलून का भव्य शुभारंभ

50 से अधिक युवाओं को मिलेगा रोजगार, आधुनिक सैलून उद्योग बनेगा उद्यमिता और स्वरोजगार का नया माध्यम

मूक पत्रिका



नई दिल्ली - देश में तेजी से बदलती जीवनशैली, फैशन और पर्सनल ग्रूमिंग के बढ़ते चलन के बीच सैलून उद्योग युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता का नया अवसर बनकर उभर रहा है। इसी दिशा में भारतीय ब्रांड ट्रेस ट्रेंड्स (ब्रह्मब्रह्मब्रह्म ब्रह्मब्रह्मब्रह्म) ने नई दिल्ली के राजौरी गार्डन में अपने चौथे अत्याधुनिक यूनिसेक्स सैलून का भव्य शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद श्री जेम्स संगमा ने फीता काटकर नए आउटलेट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सांसद श्री जेम्स संगमा ने कहा कि जेन-जी की पसंद, नए दौर का उद्यम और रोजगार सृजन का नया मॉडल बन रहे हैं आधुनिक सैलून। आज का युवा केवल नौकरी पाने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला उद्यमी भी बन सकता है। स्टार्टअप और ब्रह्मब्रह्म क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। ब्यूटी, वेलनेस, फैशन और पर्सनल ग्रूमिंग जैसे तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों में युवाओं के लिए स्वरोजगार और रोजगार के नए रास्ते खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक सैलून उद्योग अब केवल सौंदर्य सेवाओं तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह कौशल विकास, व्यावसायिक प्रशिक्षण, उद्यमिता और रोजगार सृजन का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है। ऐसे भारतीय उद्यमों को प्रोत्साहन मिलने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और युवाओं को अपने हुनर के दम पर आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने ट्रेस ट्रेंड्स की विस्तार यात्रा की सराहना करते हुए कंपनी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चौथे आउटलेट से 50 से अधिक रोजगार के अवसर-ट्रेस ट्रेंड्स एक भारतीय ब्रह्मब्रह्म ब्रांड है, जो प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' और 'लोकल टू ग्लोबल' के विजन के अनुरूप भारतीय उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रहा है। कंपनी के दिल्ली में पहले से संचालित तीन सैलून के माध्यम से 150 से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। अब राजौरी गार्डन में चौथे आउटलेट के शुभारंभ से 50 से अधिक अतिरिक्त रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है। इससे युवाओं को कौशल आधारित रोजगार और करियर निर्माण का नया मंच मिलेगा।

देशभर में 200 से अधिक सैलून खोलने का लक्ष्य-कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री नीरज गिरि ने कहा कि ट्रेस ट्रेंड्स का उद्देश्य आधुनिक सैलून सेवाओं को नई पीढ़ी की अपेक्षाओं के अनुरूप विकसित करना और युवाओं के लिए रोजगार एवं उद्यमिता के अवसर बढ़ाना है। कंपनी भविष्य में देशभर में 200 से अधिक अत्याधुनिक यूनिसेक्स सैलून स्थापित करने की दिशा में काम कर रही है, ताकि अधिक से अधिक लोगों को रोजगार से जोड़ा जा सके। वहीं, मैनेजिंग डायरेक्टर श्री सुशील कुमार दुबे ने कहा कि ट्रेस ट्रेंड्स का विस्तार केवल व्यावसायिक विकास की पहल नहीं है, बल्कि कौशल आधारित रोजगार, स्थानीय उद्यमिता और भारतीय ब्रांड को नई पहचान दिलाने का भी प्रयास है। कंपनी का लक्ष्य आधुनिक सेवाओं के क्षेत्र में युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।

कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों के साथ विभिन्न गणमान्य व्यक्ति एवं अतिथि उपस्थित रहे। राजौरी गार्डन में नए आउटलेट का शुभारंभ न केवल कंपनी के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह आधुनिक सेवा क्षेत्र में रोजगार और आत्मनिर्भरता की संभावनाओं को भी नई गति देने वाला साबित हो सकता है।

जंगल में पेड़ पर फंदे से लटका मिला 42 वर्षीय बालसिंग भतरा का शव

13 नवंबर की रात करीब 11 बजे घर से निकला था, 15 नवंबर को धनसाय के खेत से लगे जंगल में मिला शव

मूक पत्रिका



करपावड़ (पवन कुमार नाग की रिपोर्ट) - करपावड थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत छतवड़ी जंगल में रविवार, 15 नवंबर को एक 42 वर्षीय व्यक्ति का शव पेड़ पर फंदे से लटका हुआ मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बालसिंग भतरा, पिता स्वर्गीय पदलाम भतरा, निवासी कनकी पनार, जलिया गुड़ा डबरी पारा,थाना डाबुगांव, तहसील उमरकोट, जिला नवरंगपुर (ओडिशा) के रूप में हुई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार बालसिंग भतरा 13 नवंबर 2026 की रात करीब 11 बजे अपने घर से निकला हुआ बताया जा रहा है कि उनकी मानसिक स्थिति पिछले कई दिनों से ठीक नहीं थी। घर से निकलने के बाद वे वापस नहीं लौटा इसके बाद 15 नवंबर को छतवड़ी जंगल में धनसाय के खेत से लगे जंगल में उनका शव पेड़ पर गमछे के फंदे से लटका हुआ मिला।*घटना की जानकारी सामने आने के बाद पुलिस को सूचना दी गई सूचना मिल थे ही करपावड पुलिस द्वारा घटनास्थल की जांच कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि मृत्यु के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। इस घटना से मृतक के परिजनों और परिचितों में शोक का माहौल है।

कलेक्टर ने खोखरा एवं कुटरा उपार्जन केंद्रों का किया निरीक्षण

किसानों की सुविधा और व्यवस्थित खरीदी के लिए व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मूक पत्रिका



जांजगीर-चांपा। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के पहले दिन कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने खोखरा एवं कुटरा धान उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर खरीदी कार्य एवं किसानों की सुविधा के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने समिति प्रबंधको से एग्रीस्टैक पंजीयन, धान विक्रय के लिए पंजीकृत किसानों की संख्या तथा टोकन वितरण की स्थिति की जानकारी ली। कलेक्टर ने उपार्जन केंद्रों में जल निकासी की समुचित व्यवस्था रखने, धान की व्यवस्थित स्टैकिंग करने तथा पेयजल, छाया, शेड सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने धान का सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करने तथा केंद्रों में निगरानी एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों को सुचारू रूप से संचालित रखने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं समिति प्रबंधकों को निर्देशित किया कि खरीदी प्रक्रिया के दौरान किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराएं।

मोबाइल हैक कर SBI खाते से 98 हजार उड़ाने का आरोपी केरल से गिरफ्तार

शादी के निमंत्रण के बहाने भेजी थी APK फाइल, NCRP पोर्टल से मिले सुराग के आधार पर साइबर पुलिस ने की कार्रवाई

मूक पत्रिका



जांजगीर-चांपा। साइबर थाना जांजगीर पुलिस ने ऑनलाइन ठगी के एक मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 98 हजार रुपये की ठगी के आरोपी को केरल से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ह्रष्टब्रह्मक्ष पोर्टल से मिले बैंक खाते के सुराग के आधार पर आरोपी तक पहुंचकर उसे गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार नैला स्टेशन रोड निवासी राजेश कुमार थवाईत के व्हाट्सएप पर 6 जून 2026 को शादी के निमंत्रण कार्ड के बहाने एक ब्रह्म फाइल भेजी गई थी। फाइल डाउनलोड करते ही उनका मोबाइल कथित रूप से हैक हो गया और मोबाइल से लिंक ब्रह्मब्रह्म बैंक खाते से अज्ञात व्यक्ति ने 98 हजार रुपये निकाल लिए। मामले में साइबर थाना जांजगीर में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान ह्रष्टब्रह्मक्ष पोर्टल से प्राप्त बैंक खाते की जानकारी के आधार पर पुलिस केरल के मल्लपुरम जिले तक पहुंची और कोण्डोट्टी निवासी अब्दुल अजीज (29 वर्ष) को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपी ने ठगी की रकम अपने बैंक खाते में प्राप्त होने के बाद उसे निकालकर घरेलू खर्च में उपयोग करना स्वीकार किया। जांच के दौरान उसके खाते में 21 हजार रुपये की एक अन्य संदिग्ध राशि मिलने की भी जानकारी सामने आई है, जिसकी शिकायत गुजरात से ह्रष्टब्रह्मक्ष पोर्टल पर दर्ज बताई गई है।पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन एवं बैंक खाते से संबंधित दस्तावेज जब्त कर खाते को सीज कराया है। आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर जांजगीर लाकर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

पुलिस की अपील: जांजगीर-चांपा पुलिस ने लोगों से अपील की है कि व्हाट्सएप पर आने वाले अनजान लिंक या ब्रह्म फाइल को डाउनलोड न करें। ठगी का शिकार होने पर तत्काल 1930 पर कॉल कर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई है। इस कार्रवाई में निरीक्षक भास्कर शर्मा, प्र. उप निरीक्षक रुखसाना बानो सहित साइबर थाना पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

एसपी ने किया थाना नेलसनार का आकस्मिक निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था, नाकाबंदी और नियमित गश्त को लेकर दिए निर्देश

मूक पत्रिका



बीजापुर/आशीष पदमवार। एसपी उमेश प्रसाद गुप्ता ने रविवार को सीमावर्ती थाना नेलसनार का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाने की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसपी ने रोजनामचा, अपराध पंजी, मालखाना, शस्त्रागार और हवालात का अवलोकन किया। उन्होंने थाना प्रभारी और विवेचकों को लंबित अपराध, शिकायत, मर्ग और गुमशुदगी के मामलों का समय-सीमा में निराकरण करने तथा न्यायालय में चालान जल्द प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

सीमावर्ती क्षेत्रों में बढ़ेगी निगरानी-एसपी ने सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने पर जोर दिया। उन्होंने सरहदी बाजारों में निगरानी, नियमित गश्त और प्रभावी नाकाबंदी करने के निर्देश दिए। एमसीपी (मोबाइल चेक पोस्ट) के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखने को कहा।

थाना परिसर का भी लिया जायजा-एसपी ने थाना परिसर, कार्यालयीन व्यवस्था और अभिलेखों का निरीक्षण किया। पुलिसकर्मियों को साफ-सफाई, बेहतर रखरखाव और अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर ABVP मनेंद्रगढ़ ने किया माल्यार्पण एवं संगोष्ठी का आयोजन

मूक पत्रिका



मनेंद्रगढ़। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई मनेंद्रगढ़ द्वारा जनजातीय गौरव एवं महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया, जिसमें उनके जीवन संघर्ष, विचारों, सामाजिक योगदान और समाज के प्रति उनके समर्पण पर विस्तार से चर्चा की गई। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए नगर मंत्री महेश कौशिक ने कहा कि आज हम भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती मना रहे हैं। हमें उनके त्याग और संघर्ष को सदैव स्मरण रखना चाहिए। उन्होंने जंगल, जमीन, जनजातीय संस्कृति, सामाजिक चेतना और सामाजिक एकता के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया। उनका जीवन हमें अपने अधिकारों, संस्कृति और समाज के सम्मान के लिए जागरूक रहने की प्रेरणा देता है। हमें उनके आदर्शों को केवल विचारों तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने जीवन में भी अपनाना चाहिए।उन्होंने आगे कहा कि समाज में परिवर्तन लाने की शुरुआत सबसे पहले स्वयं से करनी होगी। जब तक हम अपने विचारों, व्यवहार और जिम्मेदारियों में सकारात्मक बदलाव नहीं लाएंगे, तब तक एक अच्छे और विकसित समाज की कल्पना को साकार करना कठिन है। भगवान बिरसा मुंडा जी के बताए मार्ग पर चलने के लिए उनके विचारों को समझना और उन्हें अपने आचरण में उतारना आवश्यक है। महेश कौशिक ने कहा कि किसी भी कार्यक्रम का उद्देश्य केवल तस्वीरें खिंचवाना या वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित करना नहीं होना चाहिए। ऐसे आयोजनों का वास्तविक उद्देश्य समाज में सामाजिक चेतना जागृत करना और महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना होना चाहिए। भगवान बिरसा मुंडा जी, स्वामी विवेकानंद जी और बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जैसे महापुरुषों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाकर ही हम एक जागरूक, समरस और विकसित समाज के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। संगोष्ठी में कार्यकर्ताओं एवं विद्यार्थियों ने भी विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए। इस दौरान महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेने, अपनी सांस्कृतिक विरासत को समझने, सामाजिक एकता बनाए रखने तथा राष्ट्र और समाज के प्रति युवाओं की जिम्मेदारियों पर चर्चा हुई। उपस्थित सभी लोगों ने समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए स्वयं से शुरुआत करने और सामाजिक चेतना के विस्तार की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नगर मंत्री महेश कौशिक, महाविद्यालय अध्यक्ष राजबली, नगर कार्यकारिणी सदस्य सुरेश, समय लाल, राजा सहित अन्य कार्यकर्ता एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पुलिस एवं आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल, शराब की लत से युवा पीढ़ी और परिवार हो रहे प्रभावित

जैजैपुर क्षेत्र के दर्जनों गांवों में खुलेआम बिक रही अवैध शराब, जिम्मेदार विभागों की चुप्पी पर उठे सवाल

मूक पत्रिका



जैजैपुर। जैजैपुर क्षेत्र के दर्जनों गांवों ठठारी, केकराभाठ, खम्हरिया, भोथिया,करूवाडीह तुषार खरवानी, चोरभठ्ठी,रायपुरा, कुटराबोर कारिभांवर, आमगांव आदि विभिन्न गांवों में कथित तौर पर अवैध रूप से शराब की बिक्री का कारोबार तेजी से फैलने की शिकायतें सामने आ रही हैं। गांवों में जगह-जगह शराब की उपलब्धता से ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने में पुलिस एवं आबकारी विभाग की कार्रवाई प्रभावी नजर नहीं आ रही है, जिसके चलते शराब बेचने वालों के हौसले बुलंद हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में शराब की आसानी से उपलब्धता का सबसे अधिक असर युवा पीढ़ी पर पड़ने की चिंता जताई जा रही है। कम उम्र के युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति उनके भविष्य और सामाजिक जीवन के लिए गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि शराब की लत के कारण कई परिवारों में आए दिन विवाद और घरेलू कलह की स्थिति निर्मित हो रही है। शराब के कारण परिवारों की आर्थिक स्थिति भी प्रभावित हो रही है। मेहनत-मजदूरी से कमाई करने वाले कुछ लोग अपनी आय का बड़ा हिस्सा शराब पर खर्च कर देते हैं, जिससे घर की जरूरतें और बच्चों की पढ़ाई तक प्रभावित होती हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि क्षेत्र के दर्जनों गांवों में लगातार शराब की बिक्री हो रही है, तो संबंधित विभागों को इसकी जानकारी क्यों नहीं मिल रही है? क्या पुलिस और आबकारी विभाग द्वारा नियमित निगरानी एवं कार्रवाई की जा रही है? ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, पुलिस विभाग एवं आबकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि जैजैपुर क्षेत्र के गांवों में अवैध शराब बिक्री की निष्पक्ष जांच कराई जाए। शराब बेचने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई हो तथा गांवों में नियमित गश्त और निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अब देखना यह होगा कि युवा पीढ़ी और ग्रामीण परिवारों के भविष्य से जुड़े इस गंभीर मुद्दे पर जिम्मेदार विभाग कब तक कार्रवाई करते हैं।



स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।